शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 202 | गुवाहाटी | शनिवार, 22 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पांच दिवसीय पूर्वोत्तर की यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे भागवत पेज 2
असम विस : हंगामा के बीच सदन की कार्रवाई दो बार की गई स्थगित पेज 3
प्रेमजाल में फंसाकर स्कूली छात्राओं से यौन शोषण मामले में आज बिजयनगर बंद पेज 5
एमएलसी ड्राफ्ट 2025 : अग्नि चोपड़ा बने एमआई न्यूयॉर्क के नंबर 1 पिक... पेज 7

असम विस में 90 साल से चली आ रही व्यवस्था पर रोक

नमाज ब्रेक खत्म

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विधानसभा सत्र के दौरान 90 सालों से चली आ रही जुमे के दिन की *नमाज ब्रेक* व्यवस्था पर शुक्रवार को सदन ने स्थाई तौर पर रोक लगा दी है। इस फैसले से जहां मुस्लिम विधायक नाराज हैं, वहीं मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस फैसले को औपनिवेशिक बोझ की एक और निशानी को खत्म करने जैसा बताया है। असम विधानसभा में पिछले 90 सालों से चली आ रही नमाज ब्रेक की पुरानी परंपरा को शुक्रवार को सदन ने खत्म कर दिया है। ब्रेक खत्म करने का फैसला पिछले साल अगस्त में सदन के आखिरी सत्र में ही ले लिया गया था, लेकिन इसे इसी सत्र से लागू किया गया है। असम विधानसभा में लागू इस सहूलियत के तहत मुस्लिम विधायकों को जुमे की *नमाज* अदा करने के लिए दो घंटे का ब्रेक दिया जाता था। यानी इस दौरान सदन की कार्यवाही नहीं होती थी। विपक्ष ने सदन के इस फैसले पर सख्त एतराज जताते हुए इस बहुसंख्यकों की मनमानी बताया है। गौरतलब है कि लगभग 90 साल पुरानी प्रथा को बंद करने का फैसला पिछले साल अगस्त में विधान सभा स्पीकर की सदारत वाली सदन की नियम समिति द्वारा लिया गया था। स्पीकर बिश्वजीत दैमारी ने संविधान की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति का हवाला देते हुए यह प्रस्ताव दिया था कि असम विधानसभा को किसी भी अन्य दिन की तरह शुक्रवार को अपनी कार्यवाही का संचालन करना चाहिए। इस प्रस्ताव को समिति के सामने रखा गया और सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

महाकुम्भ ने साबित कर दिया कि सनातन ही विश्व का भविष्य है : सीएम

डॉ. शर्मा ने परिवार सहित संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भ नगर (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा परिवार सहित शुक्रवार को प्रयागराज महाकुम्भ पहुंचे और संगम में डुबकी लगाई। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि कुम्भ में स्नान करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। परमात्मा को बहुत-बहुत आभार कि उन्होंने हमें स्नान करने का मौका दिया। कुशलता के साथ मेला प्रबंधन किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूरे प्रशासन को वे धन्यवाद देते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में फिर एक बार भारत की सनातन सभ्यता एवं संस्कृति उभर कर विश्व के सामने आई है। ये महाकुम्भ ने साबित कर दिया है कि सनातन ही अतीत है, सनातन ही वर्तमान है और सनातन ही विश्व का भविष्य है। संगम में स्नान के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने एक्स अकाउंट पर दो पोस्ट शेयर किए। उन्होंने हिंदी में लिखा कि तीर्थराज प्रयागराज में परिवार सहित त्रिवेणी संगम स्नान करने का अपार सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक सनातन धर्म रहेगा। हर हर महादेव। अंग्रेजी में लिखे दूसरे पोस्ट में शर्मा ने लिखा कि आज संगम में स्नान के अनुभव का वर्णन करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह सिर्फ नदियों का संगम नहीं है- यह करोड़ों संतानियों की आस्था, आध्यात्मिकता -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से हो रही फंडिंग की रिपोर्टों पर जताई चिंता

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सरकार की ओर से भारतीय संस्थाओं और व्यक्तियों को धन मुहैया कराए जाने संबंधी रिपोर्टों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इस मामले में संबंधित विभाग और एजेंसियां गौर कर रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय संस्थाओं को धन मुहैया कराए जाने संबंधी रिपोर्टों से भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की -शेष पृष्ठ दो पर

सांसद रकीबुल हुसैन पर हमला मामले में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी : असम के नगांव जिले में कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन और उनके पीएसओ पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हमला किए जाने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि असम पुलिस ने कथित हमले में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर ली है। पुलिस ने 20 फरवरी को नगांव में कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर कथित हमले के सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल गिरफ्तार व्यक्तियों का विवरण मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल -शेष पृष्ठ दो पर

हुसैन ने मारपीट के बाद मेडिकल टेस्ट नहीं कराया: डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी (एफआईआर) पर सवाल उठाए हैं, जिसमें 20 फरवरी को हुई मारपीट की घटना का आरोप लगाया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा के अनुसार, हालांकि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मुश्किलों के बाद हासिल की हुई सफलता ही असली आनंद देती है।

– **अब्दुल कलाम**

बीफ मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने असम प्रशासन को सुनाई खरी खरी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को गोमांस परिवहन के आरोपी एक व्यक्ति के खिलाफ मामले की सुनवाई करते हुए असम सरकार को फटकार लगाई और कहा कि उसे ऐसे लोगों के पीछे भागने के बजाय *कुछ और बेहतर काम करने चाहिए।* न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी और मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल तय की। राज्य सरकार द्वारा मांस के नमूने को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे जाने की जानकारी दिए जाने के बाद पीठ ने कहा कि राज्य को इन लोगों के पीछे भागने के बजाय कुछ और बेहतर काम करने चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

मनोहर लाल खट्टर बन सकते हैं भाजपा के नए अध्यक्ष!

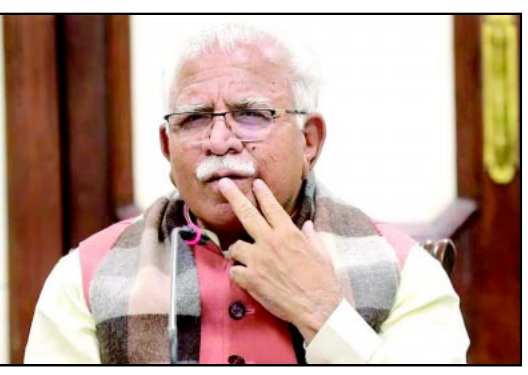

नई दिल्ली। भाजपा अपनी संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के अंतिम चरण में है, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा सत्तारूढ़ पार्टी के शीर्ष पर पांच साल के कार्यकाल के अंत के करीब हैं। भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा बीते चार सालों से अधिक समय से पार्टी के अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। पिछले साल ही उनका कार्यकाल खत्म हो चुका था। लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। अब हाल फिलहाल में किसी राज्य में विधानसभा चुनाव भी नहीं होने हैं। ऐसे में पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा इस पर मंथन जारी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत मार्च के पहले हफ्ते तक शुरू हो जाएगी। होली (14 मार्च) से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। अब अध्यक्ष पद को लेकर कई नाम भी सामने आ रहे हैं। लेकिन सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी के पुराने साथी और संघ के प्रचारक रहे मनोहर लाल खट्टर का नाम सबसे ऊपर है। मनोहर लाल खट्टर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व प्रचारक, खट्टर ने क्रमशः 2014 और 2019 में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। खट्टर का जन्म 5 मई 1954 को रोहतक जिले में हुआ था और वह हरबंस लाल खट्टर के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी स्नातक की पढ़ाई रोहतक के पंडित नेकी राम शर्मा गवर्नमेंट कॉलेज से पूरी की। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई के दौरान उन्होंने दिल्ली में सदर बाजार के पास एक दुकान खोली। खट्टर अविवाहित हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1977 -शेष पृष्ठ दो पर

सौरव गांगुली के काफिले के सामने आई लॉरी, बाल-बाल बचे

कोलकाता (हि.स.)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली गुरुवार सुबह सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। यह हादसा बर्धमान जाते समय हुगली जिले के दादपुर इलाके में दुर्गापुर एक्सप्रेस-वे पर हल्की बारिश के बीच हुआ। गांगुली के काफिले के सामने अचानक एक लॉरी आ गई। उनके वाहन चालक ने समय रहते ब्रेक लगा दिया, लेकिन पीछे आ रही दो गाड़ियों में मामूली टक्कर हो गई।दादपुर थाना पुलिस के अनुसार, गांगुली की कार को कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही गांगुली को किसी प्रकार की चोट आई। काफिले की जिन दो गाड़ियों में टक्कर हुई, उन्हें हल्की क्षति पहुंची, लेकिन चालक पूरी तरह सुरक्षित रहे। हादसे के बाद भी सौरव गांगुली ने अपने तय कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सीएम नायब सिंह सैनी और मनोहर लाल खट्टर की सुरक्षा में चूक

चंडीगढ़। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। मामला बीती रात का है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर एक शादी समारोह में शिरकत करने चंडीगढ़ पहुंचे थे। सीएम सैनी और खट्टर शादी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तानी नागरिक की जानकारी का मुख्यमंत्री तुरंत खुलासा करें : देबब्रत सैकिया

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से आग्रह किया कि वह पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बारे में उनके पास मौजूद किसी भी जानकारी को तुरंत खुलासा करें, अगर यह जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हो। सैकिया ने यह भी मांग की कि भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह और राजनाथ सिंह को भारत विरोधी गतिविधियों में शेख की कथित संलिप्तता के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। राज्य पुलिस ने सोशल मीडिया पर असम और भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने को शेख की जांच के लिए सोमवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। शेख पाकिस्तान योजना आयोग के सलाहकार हैं और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ के पूर्व सहयोगी रहे हैं। उनके -शेष पृष्ठ दो पर

सार्क सम्मेलन बांग्लादेश की मांग को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सार्क सम्मेलन करवाने की बांग्लादेश की मांग को खारिज कर दिया है। बांग्लादेश पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मंच देने के लिए सार्क सम्मेलन करवाना चाहता है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने विदेश मंत्री जय शंकर से इसकी मांग की थी। उस दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने बांग्लादेश विदेश मंत्री को नसीहत दी थी कि बांग्लादेश आतंकवाद को सही ठहराने से बाज आए। इस बारे में शुक्रवार को विदेश -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, कई विद्रोही गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों को अलग-अलग अभियानों में बड़ी कामयाबी मिली है। कई विद्रोहियों को गिरफ्तार करने के साथ हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थ की बरामद किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने आज दी। पुलिस के अनुसार, बिष्णुपुर जिले के मोइरांग कियाम लीकाई (मोइरांग थाना क्षेत्र) से सुरक्षा बलों ने केवाईकेएल संगठन के 13 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान ख्वैरकपम रोजित उर्फ चिंगसांगलक्पा सिंह (26), कोंगखम हेमलेट उर्फ थोंगंबा सिंह (27), लइशांगथेम अमरजीत उर्फ नोंगपोक -शेष पृष्ठ दो पर

भाषायी विविधता ही हमारी एकता का बुनियादी आधार : पीएम

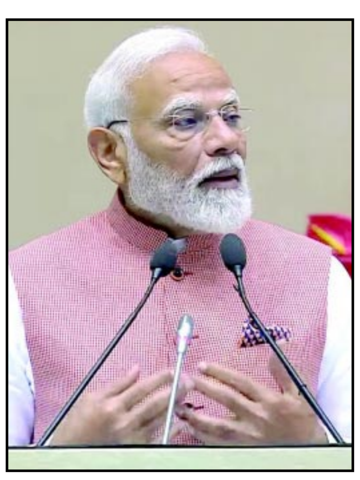

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय भाषाओं में कभी कोई बैर नहीं रहा है। भाषाओं ने हमेशा एक-दूसरे को अपनाया और समृद्ध किया। कई बार भाषा के नाम पर भेद डालने की कोशिश की जाती है। हमारी भाषाओं की साझा विरासत ही इसका सही जवाब देती है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के भ्रमों से दूर रहकर भाषाओं को समृद्ध करना और अपनाना हमारा सामाजिक दायित्व है। आज हम देश की सभी भाषाओं को मुख्यधारा की भाषा की तरह देख रहे हैं। मराठी समेत सभी प्रमुख भाषाओं में शिक्षा के विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमारी ये भाषायी विविधता ही हमारी एकता का सबसे बुनियादी आधार भी है। आज भारत दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यताओं में से एक है। इसका कारण हमारा लगातार विकसित होना है। हमने लगातार नए विचारों को जोड़ा है। नए बदलावों का स्वागत किया है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी भाषायी विविधता इसका प्रमाण है। मराठी भाषा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हम इस बात पर भी गर्व करेंगे कि महाराष्ट्र की धरती पर मराठी भाषी एक महापुरुष ने 100 वर्ष पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बीज बोया था। आज ये एक वटवृक्ष के रूप में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। उन्होंने कहा कि मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि लाखों अन्य लोगों की तरह आरएसएस ने मुझे राष्ट्र के लिए जीने को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से भारत की महान परंपरा और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक संस्कार यज्ञ चल रहा है। उनके जैसे लाखों लोगों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है और संघ के कारण उन्हें मराठी भाषा और मराठी परंपरा से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इसी कालखंड में मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया गया है। प्रधानमंत्री ने मराठी भाषा को *शास्त्रीय* भाषा का दर्जा दिए जाने -शेष पृष्ठ दो पर

असमानताओं को कम करने के लिए शासन में लैंगिक भागीदारी मौलिक है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति डॉ जगदीप धनखड़ ने आज कहा कि शासन में लैंगिक भागीदारी समानता लाने और असमानताओं को कम करने के लिए मौलिक है। भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने शासन में महिलाओं की संवैधानिक रूप से संरचित भागीदारी की है। उपराष्ट्रपति यहां अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन के सम्मेलन में प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गांव और नगरपालिका में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं। महिला सशक्तीकरण के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार ने पंचायत से लेकर सभी स्तरों पर महिलाओं को सशक्त बनाने की पहल की है। उन्होंने बताया कि पंचायत, सहकारिता आदि स्तरों पर चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से लाखों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पांच दिवसीय पूर्वोत्तर की यात्रा पर गुवाहाटी पहुंचे भागवत

गुवाहाटी (हिंस)। 21 से 25 फरवरी तक पूर्वोत्तर के पांच दिवसीय दौरे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शुक्रवार देर शाम गुवाहाटी पहुंचे। सरसंघचालक डॉ. भागवत सुरक्षा के बीच लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधे गुवाहाटी के बरबारी स्थित सुदर्शनालय पहुंचे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए, सरसंघचालक डॉ. भागवत का यह दौरा भारत के विभिन्न हिस्सों में किए जा रहे उनके दौरों का एक हिस्सा है। उल्लेखनीय है कि डॉ. भागवत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संगठन के कार्य विस्तार, कार्य की दृढ़ता, शाखाओं के माध्यम से समाज में परिवर्तन जैसे विषयों पर स्वयंसेवकों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज परिवर्तन के लिए किए जा रहे पांच मुख्य पहल जैसे- सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग और कुटुंब प्रबोधन को स्वयंसेवकों के माध्यम से समाज के सभी स्तरों तक कैसे पहुंचाया जाए, इस पर भी वे अपना विचार प्रस्तुत करेंगे। साथ ही, वे गुवाहाटी महानगर की संघ की दो शाखाओं में उपस्थित रहकर वहां की टोली बैठकों में भाग लेंगे। 22 फरवरी की शाम को वे आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्र सेविका समिति की बैठक में भाग लेंगे। 23 फरवरी की सुबह साउकुची स्थित साउथ पॉइंट हाई स्कूल प्रांगण में डॉ. मोहन भागवत एक बौद्धिक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर गुवाहाटी महानगर के हजारों स्वयंसेवकों के समक्ष बौद्धिक व्याख्यान देंगे। इसके अलावा, अपने इस दौरे के दौरान सरसंघचालक कई अन्य बैठकों में भी भाग लेंगे, जिनमें संघ के प्रचारकों के साथ बैठकें भी शामिल हैं। 26 फरवरी की सुबह डॉ. मोहन भागवत अरुणाचल प्रदेश के लिए प्रस्थान करेंगे।

महाकुंभ में जाने वाले यात्रियों के लिए पूसीरे की पहल

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में आगंतुक तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए कई पहलों को लागू किया है। पूसीरे के क्षेत्राधिकार में अब तक चार लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा कर चुके हैं, इसलिए आराम और दक्षता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। रेलवे ने सुरक्षा और वाणिज्यिक कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि, संरक्षा को मजबूत करने और श्रद्धालुओं के लिए सहज और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिचालन में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि महाकुंभ के दौरान, देश भर से लगभग 50 करोड़ तीर्थयात्रियों ने भारतीय रेलवे द्वारा संचालित लगभग 13,000 ट्रेनों में यात्रा की है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को प्रबंधित करने के लिए, पूसीरे द्वारा महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेनों सहित सात से आठ नियमित ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। कामाख्या, नाहरलगुन, गुवाहाटी, कटिहार, जोगबनी और रंगापाड़ा से अब तक स्पेशल ट्रेनों के कुल 26 फेरे चलाए गए।

No. e.DME/PG/27/2024/553979/17

ADMISSION NOTICE

Admission into 50% Post Graduate Seats in Government Medical Colleges of Assam and B.B.C.I., Guwahati under Assam State Quota after completion of 3rd Round of Online Counselling for session 2024

This is for information of all concerned that the provisional select list of candidates after the 3rd round online counselling for 50% Post Graduate seats in the Government Medical Colleges of Assam and B.B.C.I., Guwahati under Assam State Quota for session 2024, has been published in the official website www.dme.assam.gov.in. The provisionally selected candidates are hereby directed to report for admission into the course in their respective College/ Institutions during office hours on **22nd & 23rd February, 2025** with following terms & condition, failing which their allotment will be cancelled. :

1. All admissions shall be provisional and will be subject to fulfilment of all the requisite eligibility criteria as per the **"Medical Colleges of Assam (Regulation of Admission into Post Graduate Degree and Diploma Courses) Rules, 2021 (Amendment upto date)".**
2. Candidates must bring all relevant documents in original along with Admission and Counselling fees etc. at the time of Admission.
3. Candidates who have been re-allotted seats at the time of 3rd counselling shall have to report to the newly allotted College with the acknowledgement receipts/ documentary proof of submitting the certificates/testimonials etc. issued by the previous Principals of the College into which they have got admitted earlier.
4. Candidates shall have to deposit the original documents as specified in the "Medical Colleges of Assam (Regulation of Admission into Post Graduate Degree and Diploma Courses) Rules, 2021 (Amendment upto date)".
5. After admission all candidates including State Health Services Quota shall execute a duly registered agreement on a non-judicial stamp paper of applicable value as per the "Medical Colleges of Assam (Regulation of Admission into Post Graduate Degree and Diploma Courses) Rules, 2021 (Amendment upto date)" within 2 (two) weeks from the date of admission.
6. A candidate, who furnishes false information/ declaration, his/her admission is liable to be cancelled at any time and proceeding shall be drawn against such candidates under appropriate law including professional conduct etiquette and ethics of National Medical Commission's Regulation.
7. Candidates who have already taken admission under 50% All India Quota must produce a copy of resignation/ surrender acceptance letter from the respective College/ Institutes for admission.

Sd/-
Director of Medical Education, Assam

-- Janasanyog/D/12855/24/22-Feb-25

महाराष्ट्र भाजपा में दो फाड़!

मुझे हल्के में मत लेना, 2022 में टांगा पलटी कर दिया : शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन्हें हल्के में लेने वालों को चेताया। नागपुर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शिवसेना प्रमुख ने कहा कि मुझे हल्के में न लें, जिन लोगों ने मुझे हल्के में लिया है। उन्हें मैं पहले ही यह कह चुका हूं। मैं एक सामान्य पार्टी कार्यकर्ता हूं, लेकिन मैं बाला साहेब का कार्यकर्ता हूं और सभी को मुझे इसी समझ के साथ लेना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि जब 2022 में लोगों ने मुझे हल्के में लिया तो टांगा पलट गया और मैंने सरकार बदल दी। उन्होंने कहा कि हम आम लोगों की इच्छाओं की सरकार लेकर आए। विधानसभा में अपने पहले भाषण में मैंने कहा था कि देवेंद्र फड़नवीस जी को 200 से ज्यादा सीटें मिलेंगी और हमें 232 सीटें मिलीं। इसलिए मुझे हल्के में न लें, जो लोग इस संकेत को समझना चाहते हैं, वे इसे समझें और मैं अपना काम करता रहूंगा। अभिभावक मंत्री के पद पर असहमति से लेकर परियोजनाओं की निगरानी के लिए अलग-अलग मेडिकल सेल और *वॉर रूम* की अलग-अलग समीक्षा बैठकें करने तक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और उनके डिप्टी शिंदे के बीच बेचैनी बढ़ती दिख रही है। भाजपा के नेतृत्व वाले तीन-दलीय गठबंधन द्वारा विधानसभा चुनावों में 288 सीटों में से 230 सीटें जीतने और प्रतिद्वंद्वियों को लगभग खत्म करने के ठीक तीन महीने बाद सत्तारूढ़ महायुति में दरार की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, और कोई भी स्पष्टीकरण या दावा अटकलों को खत्म करने में मदद नहीं कर रहा है। पिछले नवंबर में नतीजे आने के बाद, अपने नेता फड़णवीस को मुख्यमंत्री बनाने के भाजपा के फैसले के बाद, शिव सेना प्रमुख शिंदे को काफी मनाने के बाद उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा।

उमर ने दिखाए पाक के खिलाफ तेवर, बोले-

जब तक आतंकवाद को मदद, नहीं होगी बातचीत

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि भारत सरकार पाकिस्तान से तब तक बात नहीं करेगी, जब तक वह आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं कर देता। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हममें से किसी के लिए भी यह कहना मूर्खता होगी कि जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हो रहा है, वह पूरी तरह से यहां से हो रहा है और इसमें किसी बाहरी सहायता की जरूरत नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान अभी भी इस क्षेत्र में दखल दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान ने कभी जम्मू-कश्मीर में दखल देना बंद किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने हमेशा भारत सरकार की चिंताओं को दूर करने के लिए पाकिस्तान को साथ लेने की कोशिश की है, ताकि एक दोस्ताना कामकाजी संबंध स्थापित हो सके। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें ऐसा (पाकिस्तान के साथ कामकाजी संबंध) होता हुआ दिखाई देता है, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे ऐसा होता हुआ दिखाई नहीं देता है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की सलाह दी है, उमर ने कहा कि फिलहाल मुझे भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की कोई गुंजाइश नहीं दिखती है।

पृष्ठ एक का शेष

महाकुम्भ ने साबित ...

और विरासत का संगम है। उधर मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाने के बाद आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं महाकुंभ में पवित्र डुबकी लगाने के लिए बहुत भाग्यशाली हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी थीं। मैं इसके लिए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और पूरे प्रशासन को धन्यवाद देना चाहता हूं। शर्मा ने भव्य आयोजन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। शर्मा ने महाकुंभ के सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में। उन्होंने कहा कि एक बार फिर पीएम मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति दुनिया के सामने आई है। यह महाकुंभ इस बात का प्रमाण है कि सनातन दुनिया का अतीत, वर्तमान और भविष्य है। उन्होंने आरत की आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने पर इस आयोजन के वैश्विक प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को चल रहे महाकुंभ की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आध्यात्मिक उत्सव राज्य की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा।

विदेश मंत्रालय ने ...

चिंता उपजती है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग और एजेंसियां मामले पर गौर कर रही हैं। इस संबंध में अभी कोई सार्वजनिक टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। आने वाले दिनों में इस संबंध में और जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एलन मस्क और दक्षता विभाग की विदेशों में की गई फंडिंग कार्रवाई की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत के मतदान में लोगों की भागीदारी बढ़ाने से अमेरिका का क्या लेना-देना है। उन्होंने संभावना व्यक्त की थी कि तत्कालीन प्रशासन भारत में किसी और (नरेंद्र मोदी के अलावा) का चुनाव चाहता था। ट्रम्प के इस बयान के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। भाजपा का आरोप है कि वर्ष 2024 के आम चुनाव में विपक्ष और तात्कालीन अमेरिकी सरकार और जॉर्ज सोरोस के बीच सांठगांठ थी। दूसरी ओर कांग्रेस ने ट्रम्प के बयान को वाहियात बताते हुए सरकार से इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूएसएड की ओर से भारत के लिए कोई धन आवंटित नहीं किया गया था। धन आवंटन असल में बांग्लादेश के लिए था। उधर राष्ट्रपति ट्रम्प ने पूरे प्रकरण में अपने पुराने कथन को दोहराते हुए कहा कि यह वास्तव में रिश्वतखोरी या दलाली दोनों का मामला था। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि आखिर यह रिश्वत किसको और क्यों दी गई। अमेरिका में एलन मस्क की अगुवाई वाले दक्षता संबधित विभाग की ओर से एक सूची जारी की गई थी जिसमें अमेरिकी संस्था यूएसएड की ओर से वोटरटर्नआउट के लिए निधि आवंटित किए जाने का उल्लेख था। इसी तरह बांग्लादेश के लिए दो करोड़ 90 लाख डॉलर आवंटित किए गए थे। दक्षता विभाग ने यह सभी आवंटन रद्द कर दिए हैं।

सांसद रकीबुल हुसैन ...

पर साझा किया। हिमंत विश्व शर्मा ने पोस्ट किया कि पुलिस ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर हमले की कथित घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर ली है। शर्मा ने अपने पोस्ट में निम्नलिखित 10 आरोपियों के नाम सूचीबद्ध किए। नामों में जामटोला के हारुन, फकोली के हरेश, तामुलीटुप के बसीर, कावोइमारी के कासेम अली, कावोइमार के रोसीदुल, अयूब गुनाबारी, रेलवे स्टेशन के लुत्किओर, रोउमारी के खलीक, गोरेमाटीखोवा के मोजिबुर और कोचगांव के जहांगीर शामिल हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पुलिस पहचाने गए व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। असम के नगांव जिले में गुरुवार को क्रिकेट के बल्ले से लैस लोगों के एक समूह ने रकीबुल हुसैन पर उस समय हमला किया, जब वह दोपहिया वाहन से रूपोही पुलिस थाने के अंतर्गत गुनोमारी गांव में एक पार्टी की बैठक में शामिल होने जा रहे थे। नकाबपोश हमलावर सांसद के खिलाफ नारे लगा रहे थे। कांग्रेस नेता के निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) ने रकीबुल हुसैन को बचाने के लिए गोलियां चलाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने उन पर भी हमला कर दिया।

हुसैन ने मारपीट...

एफआईआर दर्ज कर ली गई है, लेकिन कांग्रेस सांसद ने मेडिकल जांच कराने से इनकार कर दिया है, जो कथित हमले की गंभीरता निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि मेडिकल रिपोर्ट के बिना, कानून प्रवर्तन अधिकारी मामले का सही आकलन नहीं कर सकते हैं या भारतीय न्याय संहिता (भारतीय दंड संहिता) की प्रासंगिक धाराओं को लागू नहीं कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के नेता के लिए यह आवश्यक है कि वे इस स्थिति पर ध्यान दें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। इस मामले ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है, सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है और विपक्ष ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, असम पुलिस ने 20 फरवरी को नागांव में कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर कथित हमले के सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल गिरफ्तार व्यक्तियों का विवरण मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया और कहा कि पुलिस कानून के अनुसार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने लिखा कि पुलिस ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर हमले की कथित घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर ली है।

बीफ मामले पर ...

वकील ने कहा कि परिवहन रोके जाने के बाद, चालक वास्तविक उत्पाद की प्रकृति के बारे में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देने में असमर्थ था। वकील ने कहा कि इसके बाद मांस को फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेज दिया गया। अदालत ने कहा कि जिस व्यक्ति को विशेषज्ञ ज्ञान नहीं है, वह केवल देखकर विभिन्न पशुओं के कच्चे पैकेटों में अंतर नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि कोई व्यक्ति कैसे जान पाएगा कि यह गोमांस है या कोई अन्य मांस? यदि किसी व्यक्ति के पास यह है तो वह कैसे पहचान पाएगा कि यह किस पशु का मांस है? नंगी आंखें दोनों में अंतर नहीं कर सकतीं। आरोपी के वकील ने दलील दी कि उनका मुवक्किल एक गोदाम का मालिक था और उसने केवल पैक किया हुआ कच्चा मांस ही परिवहन किया था। असम मवेशी संरक्षण अधिनियम की धारा 8 का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि यह प्रावधान तभी लागू किया जा सकता है जब आरोपी को पता हो कि बेचा जा रहा मांस गौमांस है। राज्य के वकील ने तर्क दिया कि आरोपी मांस की पैकेजिंग और बिक्री में शामिल था। पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई आवश्यक है और इसे अप्रैल माह में सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया।

मनोहर लाल खट्टर बन ...

में 24 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़कर की थी। 1979 में विभिन्न संतों और आरएसएस कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद, उन्होंने जीवन भर संघ के साथ रहने का फैसला किया और 1980 में इसके प्रचारक बन गए। 14 साल तक आरएसएस के लिए काम करने के बाद वह 1994 में भाजपा में शामिल हो गए और हरियाणा सरकार में मंत्री बने। खट्टर को पहली सफलता तब मिली जब उन्होंने 2002 में गुजरात में अपना पहला चुनाव जीता और पार्टी ने 6 में से 3 सीटें जीतीं। खट्टर को 2014 के आम चुनावों के लिए पार्टी के हरियाणा अभियान के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था और उन्होंने उसी वर्ष करनाल निर्वाचन क्षेत्र भी जीता था। वह भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम कर चुके हैं।

पाकिस्तानी नागरिक की ...

खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा ने गोगोपी पर हमला करते हुए कहा कि उनकी पत्नी पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का आरोप है। गुरुवार को शर्मा ने विधानसभा में बताया कि प्रारंभिक जांच में पाया गया कि शेख अब तक 18 बार भारत का दौरा कर चुका है। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा ने गोगोपी पर हमला करते हुए कहा कि उनकी पत्नी पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का आरोप है। गुरुवार को शर्मा ने विधानसभा में बताया कि प्रारंभिक जांच में पाया गया कि शेख अब तक 18 बार भारत का दौरा कर चुका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस मामले की प्रारंभिक जानकारी कांग्रेस के लिए बहुत नुकसानदेह हो सकती है और असम की राजनीत पर गहरा असर डाल सकती है। सैकिया ने मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को विधानसभा में ऐसी बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। अगर उनके पास राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जानकारी है, तो उन्हें तुरंत उसे सार्वजनिक करना चाहिए। सितंबर तक क्यों इंतजार करें, जब राज्य में बाढ़ आ सकती है? उन्होंने कहा, अगर वह जानकारी सार्वजनिक नहीं करना चाहते, तो वह इसे केंद्र सरकार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, राज्य की खुफिया एजेंसी या अन्य एजेंसियों के साथ साझा कर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि शेख ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दौरान कई बार भारत का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सभी पाकिस्तानी नागरिक आतंकवादी नहीं होते, लेकिन अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति कई बार भारत आया हो, जब भाजपा की सत्ता थी, तो उनके राजनाथ सिंह और अमित शाह जैसे नेताओं को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

सार्क सम्मेलन बांग्लादेश ...

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस बारे में कि क्या सार्क पर चर्चा हुई या नहीं। हां, यह मामला बांग्लादेश की ओर से विदेश मामलों की बैठक में उठाया गया था, जब विदेश मंत्री ने मस्कट में बांग्लादेश के विदेश सलाहकार से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में हर कोई जानता है कि कौन सा देश और कौन सी गतिविधियां सार्क को बाधित करने के लिए जिम्मेदार हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि बांग्लादेश को आतंकवाद को सामान्य नहीं बनाना चाहिए। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक पर रणधीर जायसवाल ने कहा किदोनों मंत्रियों (भारत और चीन के विदेश मंत्रियों) ने नवंबर में हुई पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में हुए विकास की समीक्षा की। विशेष रूप से, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, उड़ान संपर्क और यात्रा सुविधाओं पर चर्चा की गई। केआईआईटी विश्वविद्यालय में नेपाली लड़की की मौत के मामले में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि नेपाली छात्रा की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं। हम अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश में सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को उच्च प्राथमिकता देती है। स्थिति के प्रकाश में आने के बाद से विदेश मंत्रालय ओडिशा सरकार और केआईआईटी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। हमने नेपाली अधिकारियों के साथ भी निकट संपर्क बनाए रखा है। दूसरी ओर, रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री ने जोहान्सबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान रूस के विदेश मंत्री के साथ बैठक की। उन्होंने स्वाभाविक रूप से भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की और उन्होंने यूक्रेन संघर्ष से संबंधित हाल के घटनाक्रमों पर भी चर्चा की, जिसमें रियाद बैठक में क्या हुआ या क्या हुआ, इस पर भी चर्चा की और वे संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ...

नंगबा सिंह (24), ख्वैरकपम बिक्रम उर्फ रेक्स सिंह (42), सोइबान दीपक सिंह (33), लैश्रम इंद्रकुमार उर्फ बोंई उर्फ नंगबा मैतेई (36), कोंथौजम स्वमजीत उर्फ थौजन सिंह (36), हीसनम प्रेमानंद उर्फ रॉकी मैतेई (33), खुंडोंगबम निमाई सिंह (29), नाओरेम अमरजीत उर्फ थानिल सिंह (28), अबुजम रिंगकू उर्फ थवैरक्पा मैतेई (24), मोइरांगथेम इनाओ उर्फ रॉबिन सिंह (44) और हुईरोंगबम इबोमचा उर्फ अथोई उर्फ पामेल मैतेई (18) के रूप में हुई। इनके पास से सुरक्षा बलों ने 5.56 मिमी, 7.62 मिमी के विभिन्न कैलिबर के कुल 27 जिंदा कारतूस, तीन वॉकी-टॉकी, चार चार्जर, 31 जोड़ी जंगल बूट, नौ मोबाइल फोन, छलावरण कपड़े और अन्य सामरिक सामान बरामद किया। सेकमई थाना क्षेत्र के तहत फेइडिंगा से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) संगठन के एक सक्रिय सदस्य मोहम्मद हरीश (21) को गिरफ्तार किया गया। बिष्णुपुर जिले के क्वाक्ता फौगकचाओ इखाई थाना क्षेत्र के सेरीकल्चर गेट नंबर 2 के पास से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान मोइचिंगमयुम फरीद (28) और मोहम्मद अमर शाह (29) के रूप में हुई। इनके पास से एक किलो 866 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की गई ।इसके अलावा बिष्णुपुर थाना क्षेत्र के तहत इबुधौ खोंगहबा थांगजिंग लाइकोन, नागैखोंग खुल्लेन से केसीपी (सिटी मैतेई) संगठन के एक सक्रिय सदस्य खैदेम बेनारजीत सिंह उर्फ अमुबा (28) को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद हुआ। इंफाल ईस्ट जिले के एंड्रो थाना क्षेत्र के तहत चिंगयांग लैरेनबी इमा केइथेल, नगारियान चिंग के पास से यूएनएलएफ (पी) संगठन के एक सक्रिय सदस्य हेमम बेबेश्वर सिंह उर्फ पामिंग (30) को गिरफ्तार किया गया। वह जबरन वसूली में शामिल था। काकचिंग थाना क्षेत्र के तहत काकचिंग सुमक लीकाई से केवाईकेएल संगठन के एक अन्य सक्रिय सदस्य मयांगलंबम किरण सिंह उर्फ टिकेंद्रजीत (43) को गिरफ्तार किया गया। वह इंफाल वेस्ट और काकचिंग क्षेत्र में जबरन वसूली में शामिल था।

भाषायी विविधता ही ...

का भी उल्लेख किया और कहा कि भारत और पूरी दुनिया में 20 करोड़ मराठी भाषा बोलते हैं, आश्चर्य है कि मराठी भाषा को यह दर्जा पाने में दशक तक इंतजार करना पड़ा। उन्होंने मराठी को एक संपूर्ण भाषा बताया और कहा कि आज दिल्ली की धरती पर मराठी भाषा के इस गौरवशाली कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन एक भाषा या राज्य तक सीमित आयोजन नहीं है, मराठी साहित्य के सम्मेलन में आजादी की लड़ाई की महक है। इसमें महाराष्ट्र और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और मुंबई हिंदी फिल्मों के साथ मराठी फिल्मों की स्थिति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नई फिल्म, छवा, अभी हर जगह सुर्खियां बना रही है। महाराष्ट्र के कितने ही संतों ने भक्ति आंदोलन के जरिए मराठी भाषा में समाज को नई दिशा दिखाई। गुलामी के सैकड़ों वर्षों के लंबे कालखंड में मराठी भाषा आक्रांताओं से मुक्ति का भी जयघोष बनी।

असमानताओं को कम ...

महिलाएं लगातार चुनी जा रही हैं। वे ग्राम पंचायत और जिला स्तर पर शासन की चुनौतियों का सामना कर रही हैं। संविधान में चुनाव को मजबूत किया गया है। यह विभिन्न लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज का एक कानूनी ढांचा है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता दी गई है। डॉ. धनखड़ ने बताया कि 1.5 अरब लोगों के देश में पिछले एक दशक में हर क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। इनमें शिक्षा, अर्थव्यवस्था और अन्य बुनियादी प्रतिरक्षा प्रदान करने वाले क्षेत्र जैसे इंटरनेट, बिजली, कॉकपिट गैस और शौचालय आदि प्रमुख हैं। सरकार द्वारा दो पहलुओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तनकारी कदम उठाए गए हैं, जिससे देश को काफी मदद मिली है और लोगों को काफी लाभ हुआ है। इनमें से एक है शिक्षा और दूसरा है लोगों का सशक्तीकरण। जब प्रति व्यक्ति इंटरनेट उपयोग की बात आती है तो भारत अमेरिका और चीन से भी आगे है। उन्होंने कहा कि जब अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण या डिजिटल हस्तांतरण की बात आती है, तो हम वैश्विक समुदायों का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं। एक दशक पहले हमारी अर्थव्यवस्था वैश्विक बेंचमार्क में केवल दोहरे अंक में थी और अब हम विश्व में पांचवें स्थान पर हैं तथा अगले दो वर्षों में विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्र 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। एक समय था जब हमारे देश को अपनी वित्तीय साख बनाए रखने के लिए स्विट्जरलैंड के बैंकों में सोना जमा करना पड़ता था, उस समय विदेशी मुद्रा भंडार केवल 11 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। यदि इसकी तुलना वर्तमान स्थिति से की जाए तो यह 7 सौ बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व के लिए एक उदाहरण है कि ग्रामीण विकास, लोगों के सशक्तीकरण आदि के क्षेत्र में अच्छी पहल का क्या प्रभाव हो सकता है। यह अभिसरण एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन का यह सम्मेलन विश्व की स्थिरता को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि विश्व की स्थिरता को परिभाषित करना है तो ग्रामीण क्षेत्र, कृषि और कॉर्पोरेट क्षेत्र आदि का विकास सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया अपने सुरक्षित अस्तित्व के लिए चुनौतियों का सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन की ओर इशारा करते हुए धनखड़ ने कहा कि यह एक ऐसा खतरा है जो हमने प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पैदा किया है, जिसके हम मालिक नहीं हैं।

सीएम नायब सिंह सैनी ...

समारोह से वापस लौटते समय एक ही गाड़ी में सवार थे। सीएम उन्हें अपने संत कबीर कुटीर सरकारी आवास से हरियाणा निवास छोड़ने जा रहे थे। इस दौरान उनका काफिला करीब 15 मिनट तक सड़क पर खड़ा रहा। दरअसल, हरियाणा-पंजाब सीएम के आवास से पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट और सचिवालय की तरफ जा रहे रोड पर हरियाणा और पंजाब भवन है। हरियाणा निवास और पंजाब भवन की तरफ के लिए मुख्य रोड से लिंक रोड पर एंट्री के लिए एक गेट लगा हुआ है। इस दौरान जब सीएम नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के काफिले ने हरियाणा निवास की तरफ टर्न किया तो गेट बंद मिला। सूत्रों के मुताबिक, इस गेट की चाबी पंजाब भवन के गार्ड के पास रहती है। इसी के चलते सीएम नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के काफिले को करीब 15 मिनट तक सड़क पर रोका गया और पंजाब के गार्ड से चाबी मिलने पर गेट खोला गया। इस मामले के बाद हरियाणा पुलिस और हरियाणा सीआईडी अलर्ट हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, काफिला रुकने में चूक और आगे रूट क्लियर नहीं होने की जांच शुरू कर दी गई। हालांकि, इस मामले में कोई भी अधिकारी जानकारी नहीं दे रहा है।

सौरव गांगुली के ...

में हिस्सा लिया। वे बर्धमान विश्वविद्यालय के गुलाबबाग परिसर स्थित ऑडिटोरियम में पहुंचे, जहां उन्होंने छात्रों के सवालों के जवाब दिए। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के मोहन बागान मैदान का भी निरीक्षण किया। बर्धमान के राधारानी स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में गांगुली को बर्धमान खेल संघ की ओर से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में गांगुली ने कहा कि मैं बेहद खुश हूं कि आज बर्धमान आ सका। बर्धमान खेल संघ के साथ क्रिकेट संघ बंगाल (सीएबी) पिछले 50 वर्षों से काम कर रहा है। यहां से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं। भविष्य में भी ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। इस आयोजन में जिलाधिकारी आयशा रानी ए., जिला परिषद के सभाधिपति श्यामाप्रसन्न लोहाड़, सह सभाधिपति गर्गी नाहा, पुलिस अधीक्षक सायक दास और जिला खेल संघ के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

असम विस : हंगामा के बीच सदन की कार्रवाई दो बार की गई स्थगित

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन की कार्रवाई शुरू होते ही शुक्रवार को सदन में लगातार हंगामा होने के बीच विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी को सदन की कार्रवाई दो बार 10 मिनट और 5 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस सदस्य के विधानसभा स्थगन के प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग को अध्यक्ष ने अस्वीकार कर दिया था। उसके पास कांग्रेस के सदस्य अध्यक्ष की आसंदी के पास पहुंचकर नारेबाजी करने लगे थे। शुक्रवार को कार्रवाई शुरू होते ही कांग्रेस पार्टी के सदस्य एवं नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर गुरुवार को हुए नगांव जिले के रूपहीहाट में हुए हमले पर सभा स्थगित कर एक घंटे की चर्चा कराने की मांग करने लगे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष दैमारी ने संसदीय कार्यमंत्री चंद्रमोहन पटवारी तथा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के अनुपस्थित रहने तथा सदन की कार्रवाई में आर्थिक मामलों पर चर्चा का समय होने का हवाला देते हुए विपक्ष के इस सभा स्थगन प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद विपक्षी सदस्य उत्तेजित होकर अध्यक्ष के आसन के पास आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्य और सत्ता पक्ष किसी भी तरह से मानने को तैयार नहीं हुए तो बाध्य होकर अध्यक्ष को 10 मिनट के लिए सदन की कार्रवाई को स्थगित करना पड़ा। 10 मिनट के अंतराल के बाद जब पुनः सदन की कार्रवाई आरंभ हुई तो फिर से एक बार सत्ता पक्ष एवं विपक्ष अध्यक्ष की आसंदी के समक्ष पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। जिसके चलते अध्यक्ष ने 5 मिनट के लिए सदन की कार्रवाई को स्थगित कर दिया। सदन में जल संसाधन मंत्री पियुष हजारिका ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि इस सिलसिले में जांच जारी है। साथ ही चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आगे की जांच जारी है। वहीं सामागुरी के भाजपा विधायक दिप्लू रंजन शर्मा ने कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। साथ ही कहा कि हमले के पीछे संभवतः एडवांटेज असम 2.0 के आयोजन को बाधित करने की साजिस का हिस्सा भी हो सकता है। शर्मा के बयान को सुनते ही विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच सत्तापक्ष के विधायक भी अध्यक्ष की आसंदी के सामने पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। तीसरी बार जब पुनः सदन की कार्रवाई आरंभ हुई तो नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया ने अपने सदस्यों को शांत कराते हुए कहा कि कहा कि बीते कल घटना के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने जो बयान

दिया उससे विपक्ष संतुष्ट नहीं है। इसलिए संसदीय मंत्री को इस संबंध में जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम भली भांति जानते हैं कि सदन का समय बहुत कीमती है, लेकिन इस तरह की घटना को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। सुरक्षा कैसे हो इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए। संसदीय मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने कहा कि बीते कल मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव रखते समय विपक्ष ने सांसद पर हमले के मुद्दे को उठाया था। उन्होंने घटना को लेकर दुख प्रकट किया था। उन्होंने कहा कि इस बारे में पूरी जांच कर व्यवस्था ली जाएगी। जांच जारी है। अब तक चार आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पटवारी ने बताया कि घटना की जांच गृह विभाग के उच्च अधिकारी कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष सैकिया ने कहा कि अभी तक जांच कमेटी का गठन नहीं हुआ है। साथ ही कहा कि घटना को लेकर स्थानीय थानाध्यक्ष एवं पुलिस अधीक्षक की जांच पर हमें कोई भरोसा नहीं है। घटना सरकारी अधिकारियों की अनदेखी के चलते हुआ है। सैकिया ने कहा कि इस मामले में पुलिस की अकर्मण्यता उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच अतिशिघ्र कर रिपोर्ट सदन की अगली बैठक में पेश किया जाना चाहिए। संसदीय मंत्री पटवारी ने कहा कि सरकारी अधिकारी की अगर लापरवाही सामने आई तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम विपक्ष के दुख को भली भांति समझते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं। साथ ही कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सदन में इस पर चर्चा की जाएगी। इस बीच राइजर दल के एकमात्र विधायक अखिल गोगोई लगातार शोरगुल करते हुए चर्चा की मांग करते देखे गये। अध्यक्ष ने अखिल को बार-बार शांत होने का निर्देश देते रहे। अध्यक्ष ने अखिल को कहा कि आप शांत रहें, क्योंकि आपने कोई नोटिस नहीं दिया है। जब शांत नहीं हुए तो अध्यक्ष ने अखिल को सदन की कार्रवाही से आज के दिन के लिए निलंबित कर दिया। इस मार्शल के जरिए अखिल को सदन से बाहर ले जाया गया। इस बाद सदन की चर्चा शांतिपूर्ण माहौल में आरंभ हुई। आज की घटना के दौरान विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ ने किसी भी तरह का बयान नहीं दिया। सदन के अंदर जहां कांग्रेस के विधायक हंगामा कर रहे थे, वहीं एआईयूडीएफ के विधायक शांतिपूर्वक अपने आसन पर बैठे रहे।

एडवांटेज असम से लाभ का संदेश पहुंचाना भाजपा की जिम्मेदारी : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 राज्य में विकास की नई संभावनाएं लेकर आएगा और इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की है। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने शुक्रवार को प्रदेश भाजपा की मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी, आर्थिक, वाणिज्य, नीति एवं अनुसंधान विभागों, पार्टी प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों की बैठक में कही। एडवांटेज असम 2.0 में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की उम्मीद है। इसमें भारत के अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक संस्थान, कंपनियां और प्रमुख उद्यमी भाग लेंगे। यह आयोजन 25 और 26 फरवरी को होगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसके अलावा, 24 फरवरी की शाम सरुसजाई स्टेडियम में 10,000 झूमर कलाकारों द्वारा *झूमईर बिनंदिनी* कार्यक्रम का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बैठक में सभी विभागों और प्रकोष्ठों को इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाने और एडवांटेज असम 2.0 के महत्व को व्यापक रूप से जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महासचिव पल्लव लोचन दास, विधायक दिप्लुरंजन शर्मा, पुलक गोहाईं सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने किया।

नलबाड़ी के आयकर भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन

नलबाड़ी (हिंस)। आयकर भवन, नलबाड़ी ने संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा (नलबाड़ी) के सहयोग से शुक्रवार को अपने नलबाड़ी परिसर में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा संचालित *राष्ट्रव्यापी रक्तदान अभियान* का हिस्सा था। इस पहल के अंतर्गत कुल 62 स्वयंसेवी दाताओं ने भाग लिया, जिनमें से 55 दाताओं ने रक्तदान किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ 136वीं बटालियन, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), सरियाहटोली, नलबाड़ी के कमांडेंट, रवि कुमार ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। उन्होंने इस विशेष पहल के लिए आयकर विभाग की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस कार्य को प्रेरणादायक बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और स्वयंसेवी रक्तदाताओं ने भी अपने विचार साझा किए।

रक्तदान शिविर का उद्देश्य रक्त की आवश्यकता को पूरा करना और लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना था। संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवा, नलबाड़ी ने बताया कि रक्तदान एक पुण्य कार्य है और इससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। इस पहल के तहत नलबाड़ी में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और आभार स्वरूप स्मृति चिह्न भी प्रदान किए।

कांग्रेस सांसद रकीबुल पर हमले को लेकर विस परिसर में विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर हुए हमले के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस तथा विपक्षी विधायकों ने असम विधानसभा परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन की कार्रवाई शुरू होने से पहले कांग्रेस सदस्य हाथों में प्ले कार्ड लेकर नारेबाजी करते हुए विधानसभा कक्ष के बाहर एकत्रित हो गए। उल्लेखनीय कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकिबुल हुसैन पर गुरुवार को उनके खुद के क्षेत्र में हुए हमले के बाद उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में उनके गृह क्षेत्र में उन पर हमले की घटनाएं बढ़ने के कारण यह फैसला लिया गया है।

बंदर और चूहा के उपद्रव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग जिम्मेवार नहीं : मंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत ने कहा है कि बंदरों और चूहों द्वारा किए जा रहे उपद्रव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार जंगली हाथियों या अन्य जानवरों द्वारा किए जाने वाले उपद्रव की भरपाई आपदा प्रबंधन विभाग करता है, लेकिन कहीं भी चूहा और बंदर के उपद्रव को इस श्रेणी में नहीं रखा गया है। चूहा और बंदर न तो घरेलू श्रेणी में है, न ही जंगली की श्रेणी में। मंत्री महंत शुक्रवार को असम विधानसभा के चालू बजट अधिवेशन के चौथे दिन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की कटौती प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर दे रहे थे। चर्चा के दौरान सदस्यों द्वारा बंदरों एवं चूहों से हो रहे फसलों का नुकसान पर चिंता जताई गई और सरकार से क्षतिपूर्ति करने की मांग की गई। इस चर्चा में विधायक अजय कुमार राय, बिपुल बर्मन, चरण बोड़ो, अमीनुल इस्लाम (जूनियर), प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया समेत सत्ता तथा प्रतिपक्ष

के कई सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा के बाद विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सन 1874 में असम के राजस्व विभाग का गठन किया गया था। वहीं, अंग्रेजी जमाने में 1886 में राजस्व से संबंधित पहला कानून असम लैंड एंड रिवेन्यू रेगुलेशन एक्ट 1986 बनाया गया। इस कानून के बनने के डेढ़ सौ वर्षों में कोई भी सरकार भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकी। आजादी के बाद की कई सरकारों ने समय-समय पर इस कानून में संशोधन किया। लेकिन आज भी यही कानून मूल रूप से विद्यमान है। मंत्री ने कहा कि तीन वर्ष पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार गठित होने के साथ ही मुख्यमंत्री ने काजीरंगा में मंत्रियों के तीन दिनों की बैठक बुलाई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सरकार भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान मिशन के रूप में करेगी। और यहीं से मिशन बसुंधरा की परिकल्पना शुरू हुई। मंत्री ने बताया कि किस प्रकार बसुंधरा एक, दो और तीन के जरिए भूमि संबंधी समस्याओं का स्थाई समाधान किया गया है। अपने जवाब में मंत्री ने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा इस दरमियान बाढ़ राहत तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से किस प्रकार व्यापक पैमाने पर लोगों को राहत पहुंच गए। मंत्री ने इस दौरान इस संबंध में विस्तृत आंकड़ा सदन में प्रस्तुत किया। अधिवेशन के चौथे दिन आज अंत में वित्त विभाग से संबंधित दो विधेयक प्रस्तुत किए गए। वहीं, पहले दिन सदन के पटल पर चर्चा के लिए प्रस्तुत राइट टू पब्लिक सर्विसेज अमेंडमेंट बिल 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद विधानसभा की कार्रवाई को 3 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

आयकर विभाग का फेसलेस मूल्यांकन और अपील पर आउटरीच कार्यक्रम

गुवाहाटी (विभास)। आयकर विभाग, पूर्वोत्तर के तत्वाधान में गुवाहाटी में पहली बार फेसलेस मूल्यांकन और फेसलेस अपील पर एक उच्च स्तरीय आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न हितधारकों की उपस्थिति में देश की फेसलेस कर प्रशासन प्रणाली में चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ राजस्व अधिकारी श्रीमती जहांजेब अख्तर, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त नई दिल्ली ने की। जहांजेब अख्तर ने फेसलेस कर प्रशासन की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस प्रणाली में निरंतर सुधार के लिए वित्त मंत्रालय प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आयकर विभाग द्वारा निरंतर किए जा रहे सुधार कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि हम दक्षता और निष्पक्षता बढ़ाने के लिए हितधारकों के सुझावों का हमेशा स्वागत करते है। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी के अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं प्रत्यक्ष कर समिति के चेयरमैन सोमेश बोस ने पेशेवरों और करदाताओं के सामने आने वाली विभिन्न परेशानियों की और ध्यान आकर्षित करवाया।

शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल को उच्च शिक्षा विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी

गुवाहाटी। असम के उच्च शिक्षा विभाग की पहलों पर एक व्यापक ब्रीफिंग सत्र आज राजभवन में आयोजित किया गया, जहां शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को विभाग की चल रही परियोजनाओं, नीतियों और भविष्य की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। उच्च शिक्षा विभाग के बारे में जानकारी दिए जाने पर राज्यपाल ने विभाग की गतिविधियों और असम को उच्च शिक्षा के लिए एक पसंदीदा स्थान बनाने के लिए इसके रोडमैप पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को उत्कृष्टता की ओर ले जाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्होंने विभाग से पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कहा ताकि राज्य को उच्च शिक्षा के केंद्र में बदला जा सके। उन्होंने यह भी

कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के विकास को देखते हुए उच्च शिक्षा में इसी तरह का विकास राज्य के मानव संसाधन विकास के लिए उत्प्रेरक हो सकता है। राज्यपाल ने आगे कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत सरकार की एक अभूतपूर्व पहल है, जिसे शिक्षा परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार किया गया है। इसलिए उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग से कहा कि वह इस बात का ध्यान रखे कि नीति को पूरे राज्य में अक्षरशः लागू किया जाए। उन्होंने इस संदर्भ में सभी हितधारकों से उच्च शिक्षा के हर पहलू में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए नवाचार और रणनीतिक योजना को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। राज्यपाल श्री आचार्य ने उच्च शिक्षा विभाग से राज्य के शिक्षा क्षेत्र को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए दूरदर्शी रणनीति और अभिनव समाधान पेश करने को भी कहा। उन्होंने दोहराया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नीति कार्यान्वयन के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता राज्य के समग्र विकास और बौद्धिक समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगी। ब्रीफिंग सत्र में राजभवन के सलाहकार डॉ. हरबंश दीक्षित, उच्च शिक्षा विभाग के सलाहकार प्रो. देवव्रत दास, आयुक्त और राज्यपाल के सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कोंवर और शिक्षा विभाग और राजभवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

रंगाली बिहू के उपलक्ष्य में बिहू कार्यशाला का आयोजन 18 मार्च से

रंगिया (विभास)। रंगाली बिहू के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष की तरह इसबार भी संदीप कलिता समन्वयी कलाकेंद्र द्वारा रंगिया में बिहू कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जोकि आगामी 18 मार्च से प्रारंभ होकर 23 मार्च चलेगी। रंगिया के ऐतिहासिक कृषक शहीद भवन प्रांगण में आयोजित की जाने वाली इस कार्यशाला में अभिज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा बिहू नृत्य और वादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में गुवाहाटी की बिहू साम्राज्ञी पाहारी बरुआ काकोती और अतिथि प्रशिक्षक बिहू साम्राज्ञी गायत्री कुंवर सहित सह-प्रशिक्षक के रूप में बिहुआ रघुमनी राजवंशी, रिंकुमनी दास, जिंटू वैश्य, बिहूवती विनीता कलिता, सुष्मिता दत्त और बिहुआ हीरक ज्योति कलिता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के संचालक प्रसिद्ध बिहुआ विजय भराली द्वारा मिली जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम रोजाना दोपहर 3.00 बजे से प्रारंभ होगा जिसमें भाग लेने के लिए इच्छुक प्रशिक्षार्थीयो को शीघ्र ही प्रपत्र संग्रह कर उसे जमा करने का आग्रह किया गया है।

पाठशाला में सम्मेलन की नई शाखा गठित

पाठशाला (विभास)। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने पाठशाला में शाखा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत पाठशाला में एक नई शाखा का शुभारंभ किया। उनके साथ मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने सहभागिता की तथा बरपेटारोड शाखा के अध्यक्ष सुरेश चौधरी एवं सचिव प्रमोद अग्रवाल बरपेटा से पाठशाला पहुंचे। पाठशाला के सुप्रसिद्ध व्यक्तित्व वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार जालान ने इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए पाठशाला में सम्मेलन शाखा गठन करने के कार्य को अंजाम तक पहुंचाया। उन्होंने पाठशाला समाज बंधुओं के साथ भ्रमणदल के साथ बैठक आयोजित करवाते हुए समाज में सम्मेलन की भूमिका जरूरी पर अपने सुंदर विचार रखे। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने सम्मेलन के उद्देश्य तथा भूमिका पर अपने उद्गार रखते हुए इसमें समाज के हर परिवार को जुड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, इसे समाज का प्रतिनिधित्व करने में मजबूती प्रदान करने हेतु सबके संगठीत होने की जरूरत को, आज समय की मांग बताया। संगठन का वजूद ही समाज की ताकत है, आदी प्रेरक बातें रखी। साथी पदाधिकारियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की। पाठशाला समाज बंधुओं ने जागरूकता दिखाते हुए त्वरित वहीं 20 से अधिक आजीवन सदस्य के आवेदन भर कर शाखा गठन के कार्य को आगे बढ़ाया। तदर्थ समिति का गठन करते हुए राजकुमार जालान को

संयोजक नियुक्त किया गया। श्री जालान ने आश्वस्त करते हुए कहा कि आगामी 2 मार्च को 25 आजीवन सदस्यों के साथ पाठशाला शाखा अपना शपथग्रहण समारोह आयोजित कर विधिवत कार्य आरंभ करेगी। इस प्रकार प्रांतीय अध्यक्ष श् कैलाश काबरा ने अपने निर्वाचन के परिणाम को शाखा खोलने के सद्कार्य के साथ मना कर सम्मेलन परिजनों में खुशीयां बांटी। पाठशाला से भ्रमण दल टिहू के लिए रवाना हुआ, टिहू में समाज बंधुओं के साथ अनोपचारिक बैठक में शाखा खोलने के लिए जनजागरण किया, उपस्थिति समाज बंधुओं ने शीघ्र ही शाखा खोलने प्रति आश्वस्त किया। टिहू से आगे बरपेटारोड के लिए रवानगी हुयी जहां बरपेटा शाखा एवं बरपेटा महिला शाखा के साथ बैठक आयोजित की गई है। जिसमें अधिवेशन में ज्यादा से ज्यादा उपस्थिति हेतु आमंत्रण के साथ सामाजिक विषयों पर चर्चा होगी।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, एक साल बाद बरामद हुई फॉर्च्यूनर

गुवाहाटी (हिंस)। नूनमाटी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक टोयोटा फॉर्च्यूनर (एएस-01-ईपी-5752) वाहन को बरामद की है। यह वाहन गीतानगर थाना क्षेत्र के नरिकल बस्ती इलाके से बरामद किया गया। असम पुलिस मुख्यालय के द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान हृषिकेश शर्मा के रूप में हुई है। ज्ञात हो कि 01 फरवरी, 2024 को आरोपी ने सुरेश कुमार राय, निवासी नारंगी तिनाली से लिखित अनुबंध के तहत टोयोटा फॉर्च्यूनर वाहन को 15 दिनों के लिए किराये पर लिया था, जिसका उद्देश्य अयोध्या में राम मंदिर की यात्रा करना बताया गया था। लेकिन एक साल बीत जाने के बावजूद आरोपी ने वाहन वापस नहीं किया। जांच के दौरान नूनमाटी पुलिस ने नारिकल बस्ती से उक्त वाहन को बरामद किया, जिसे आरोपी ने कृष्ण गोगोई नामक व्यक्ति को बेच दिया था। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

द्रोणाचार्य एकेडमी के छात्र दीपक सिमलिया को बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मिला सर्वोच्च सम्मान

बरपेटा रोड। द्रोणाचार्य एकेडमी, बरपेटारोड के प्रतिभाशाली छात्र दीपक सिमलिया ने अपनी असाधारण प्रतिभा और कठिन परिश्रम से एक प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है। वे बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के 2021-24 बैच के अकाउंट्स मेजर के टॉपर बने हैं। उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उन्हें बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष और बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। दीपक स्वर्गीय मदनलाल सिमलिया और स्वर्गीय इमारती देवी के पौत्र तथा स्वर्गीय निर्मल कुमार सिमलिया एवं श्रीमती अनीता सिमलिया के सुपुत्र हैं। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र और उनके शिक्षण संस्थान को भी गौरवान्वित किया है। दीपक बचपन से ही अपनी बुद्धिमत्ता,

मेहनत और अनुशासित अध्ययन शैली के लिए जाने जाते रहे हैं। उनकी विनम्रता, सांस्कृतिक मूल्यों और आदरपूर्ण व्यवहार ने हमेशा उन्हें परिवार, शिक्षकों और समाज में एक प्रिय व्यक्तित्व बनाया है। जीवन में अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, दीपक ने अपने दृढ़ संकल्प, अथक प्रयास और अटूट समर्पण से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। उन्होंने अपनी मैट्रिक की पढ़ाई मेरियन स्कूल से की और उच्च माध्यमिक तथा स्नातक शिक्षा द्रोणाचार्य एकेडमी, बरपेटारोड से पूरी की, जहां उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता निरंतर दिखाई दी। उन्हें अकादमी में लगातार दो वर्षों तक *सर्वश्रेष्ठ द्रोणाचार्य* पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी। दीपक ने यह सिद्ध कर दिया कि समर्पण और दृढ़ निश्चय से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सभी ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

संपादकीय

हिस्सेदारी की सरहद

हिस्सेदारियों की सरहद पर फैसला हुआ भी तो क्या, हम तो सर्द हवाओं से बचने के लिए पहुंचे थे। पहाड़ को जानने की कोशिश जब न होगी, तब यूं ही मुकद्दर के पांव जख्मी होंगे। बात हिमाचल के जख्मी हालात की है, तो दर्द के लम्हें कैसे भरे जाएंगे। पूछता है हिमाचल कि आपदा राहत के पैमाने क्यों टूट रहे हैं, बार-बार। क्यों केंद्र की अंगुलियां मुक्का बन गईं, राहत का वार्तालाप सुनकर। कुछ अर्जियां सामने हैं, तो परियोजनाओं का सामान बिखरा है। ऐसे में अचानक रेल परियोजनाओं ने हिमाचल के आर्थिक कद से हिस्सेदारी को निचोडने की जिरह का प्रक्षेपण किया है। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अपना हिसाब लेकर आए या केंद्र की बिसात पर भानुपल्ली-बिलासपुर, तलवाड़ा-नंगल और चंडीगढ़-बद्दी रेल परियोजनाओं का मूल उद्देश्य अब केंद्र के मानदंडों में उलझ गया है। कभी इन्हीं रास्तों पर अटल सरकार का औद्योगिक पैकेज आया था, तो आज रेल पैकेज क्यों नहीं। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री जरा जम्मू-कश्मीर से गुजरती पटरियों की ओर देखें कि उनकी लागत में देश की प्राथमिकताएं तो जिरह नहीं करती थीं। वहां तो किसी ने नहीं पूछा कि राज्य की भागीदारी कितने किलोमीटर चली। मसला पर्वतीय राज्यों का है तो यह हक उस मोहल्ले का भी है जहां परिवेश के मायने आर्थिक नहीं, पर्यावरणीय विकास है। अगर सारे मानक हिमाचल पर लाद कर पूछा जाता कि तुम चल कितने कोस सकते हो, तो शायद यह राज्य यहां नहीं पहुंचता। अगर तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार केंद्र की नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार से बिजली उत्पादन पर मुफ्त बिजली का अधिकार न पाते, तो आज राज्य के कोष में 1744 करोड़ न आते। बात राज्यों को नगीना बनाने की है और इसीलिए पिद्दी से हिमाचल को केंद्र से इतनी सडकें मिलीं कि यह पहाड़ी राज्यों का आदर्श बन गया। हिमाचल के हर कदम के साथ केंद्र का कदमताल था और यह बतौर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के बयान से भी जाहिर होता है। ऐसे में क्या हिमाचल खुशफहमी का शिकार है या डबल इंजन सरकार की दरकार है। अभी तो दो-ढाई साल गुजरे हैं, लेकिन अमानत में खयानत होगी, तो राजनीति का ढर्रा और बिखराव करेगा। हो हल्ला होना चाहिए, ताकि ऊर्जा का पता चले, मगर हर वाक युद्ध से फैसला हो, यह मुमकिन नहीं। केंद्र और राज्य के संबंधों में आ रही खटास के कारण अनेक हो सकते हैं, लेकिन इसकी कीमत हिमाचल की जनता चुका रही है। आपदा में अवसर खोजने के मायने अगर विद्रूप हो जाएंगे, तो हिमाचल की उफनती नदियां आहें भरेंगी और हम अपने डूबते मुस्तकबिल को कोसते रहेंगे। आखिर जनता तो देश की है। वह चाहे एक पल एक दल, दूसरे पल दूसरा दल हो जाए। इसी जनता के सामने अगर पहाड़ चीर कर वंदे भारत ट्रेन कश्मीर पहुंच जाए, तो वह यह भी चाहेगी कि बिलासपुर और इधर कांगड़ा, हमीरपुर और मंडी तक भी पहुंच जाए। अगर शिमला में कांग्रेस की सत्ता और कांग्रेस का रुतबा है, तो दिल्ली में लोकसभा और राज्यसभा के सातों भाजपाई सांसद भी तो इसी भूमिका में हैं। अगर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और रेल मंत्री रवनीत बिट्टू अपने आंकड़ों की गंभीरता और ईमानदारी का जिक्र हिमाचली सांसदों से कर पाएं, तो इस बहस में से 'खामख्वाह' का प्रसंग निकल जाएगा। अगर कांगड़ा-चंबा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज रेल मंत्रालय से वंदे भारत जैसी सेवाओं पर धार्मिक पर्यटन का नक्शा मुकम्मल करने की अरदास कर रहे हैं, तो यहां भी पूरे हिमाचल की संवेदना है। दूसरी ओर राज्यपाल के ओहदे के नीचे हिमाचल का इनसाफ और हिमाचलीयत का पैगाम अगर असर करता है, तो राज्य सरकार को भी अपने तरीकों को सुलह के अरमान देने चाहिएं। जिस संवाद की जरूरत राज्यपाल महसूस कर रहे हैं उसकी सिफारिश में अगर केंद्र को भी बताया जाए तो बात बननी चाहिए।

पहाड़ को जानने की कोशिश जब न होगी, तब यूं ही मुकद्दर के पांव जख्मी होंगे। बात हिमाचल के जख्मी हालात की है, तो दर्द के लम्हें कैसे भरे जाएंगे। पूछता है हिमाचल कि आपदा राहत के पैमाने क्यों टूट रहे हैं, बार-बार। क्यों केंद्र की अंगुलियां मुक्का बन गईं, राहत का वार्तालाप सुनकर। कुछ अर्जियां सामने हैं, तो परियोजनाओं का सामान बिखरा है। ऐसे में अचानक रेल परियोजनाओं ने हिमाचल के आर्थिक कद से हिस्सेदारी को निचोडने की जिरह का प्रक्षेपण किया है। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अपना हिसाब लेकर आए या केंद्र की बिसात पर भानुपल्ली-बिलासपुर, तलवाड़ा-नंगल और चंडीगढ़-बद्दी रेल परियोजनाओं का मूल उद्देश्य अब केंद्र के मानदंडों में उलझ गया है। कभी इन्हीं रास्तों पर अटल सरकार का औद्योगिक पैकेज आया था, तो आज रेल पैकेज क्यों नहीं। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री जरा जम्मू-कश्मीर से गुजरती पटरियों की ओर देखें कि उनकी लागत में देश की प्राथमिकताएं तो जिरह नहीं करती थीं।

दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म

हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है। निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है। मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का। रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे। दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा।

दृष्टि कोण

चिट्टे की लत यानी मौत को दावत

हिमाचल प्रदेश में पिछले एक वर्ष में मादक पदार्थों और चिट्टे को लेकर पुलिस की दबिश बढ़ी है और बड़ी संख्या में ड्रग पेडलर्स, तस्कर और चिट्टा इस्तेमाल करने वालों के पकड़े जाने की खबरें आए दिन प्रिंट एवं सोशल मीडिया की सुर्खियां बनी हुई हैं। ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रदेश सरकार वास्तव में ही नशा तस्करों के खात्मे की ओर बड़ी तेजी से अग्रसर है और प्रदेश के युवाओं के हित में यह अनिवार्य भी है। हिमाचल में कुछ जिलों के पुलिस कप्तान भी नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ एक्शन लेते नजर आ रहे हैं जिनमें शिमला के एसपी संजीव गांधी का नाम प्रमुख है। लेकिन नशे के खिलाफ इस लड़ाई के दौरान शिमला पुलिस को उस वक्त जिला अदालत से मायूसी हाथ लगी जब चिट्टा तस्करी के मामले में हाल ही में शाही महात्मा गैंग के गिरफ्तार किए 46 आरोपियों में से अब तक 41 को जमानत दे दी गई। हिमाचल में नशा तस्करों ने हिमाचली युवाओं को नशे के दलदल में धकेलने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है क्योंकि इस धंधे में मोटा मुनाफा है। आज भी बड़ी संख्या में हिमाचल के गांवों और कस्बों में नशे की चपेट में आए युवाओं के कारण उनके परिवारों में बिखराव, तनाव और अराजकता का माहौल है और युवाओं को इससे बचाने के लिए यह बेहद आवश्यक है कि सरकार, पुलिस और प्रशासन नशीले पदार्थों एवं चिट्टा बेचने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन ले और हमारी जुडिशियरी भी समस्या की गंभीरता को समझे। यह बेहद चिंतनीय विषय है कि हिमाचल प्रदेश में ड्रग ओवरडोज से आए दिन युवाओं की मौतों के समाचार पढने-सुनने को मिलते रहते हैं। हालांकि नशे के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियानों के चलते पुलिस को खासी सफलता भी मिल रही है। इसकी तस्दीक खुद बीते छह महीनों के आंकड़े कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने प्रदेश भर के अलग-अलग हिस्सों से बीते छह महीने में ही करीब 50 करोड़ का चिट्टा पकड़ा है। पुलिस विभाग के आंकड़ों की बात करें, तो वर्ष 2016 में प्रदेशभर में विभिन्न मामलों में महज 634654 ग्राम चिट्टा बरामद किया था। सात सालों में तस्करी इतनी बढ़ गई कि वर्ष 2023 में पुलिस ने 14.705 किलोग्राम चिट्टा/हेरोईन बरामद की। नशे की जब्ती में वर्ष 2016 के मुकाबले वर्ष 2023 में 20 गुना से अधिक दर्ज की गई। इस नशे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों में आंकी गई है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह भी मानते हैं कि मादक पदार्थों एवं चिट्टा का दुरुपयोग एक वैश्विक चुनौती बन गया है जिसके लिए कड़े उपायों की आवश्यकता है। इसके लिए राज्य सरकार व्यसन उपचार और करुणामय पुनर्वास कार्यक्रमों तक पहुंच का विस्तार करके दंडात्मक उपायों की तुलना में पुनर्वास को बढ़ावा दे रही है और हिम वीर एवं हिम दोस्त जैसी पहलों के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों में राज्यव्यापी जागरूकता अभियान चलाकर सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाया जा रहा है। त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए, सरकार एनडीपीएस मामलों के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने और फास्ट ट्रैक जांच और अभियोजन पर ध्यान केंद्रित करने की योजनाओं पर भी काम कर रही है। चिट्टे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार सिक्किम की तर्ज पर एंटी ड्रग विधेयक लाने जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा भी नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की शुरुआत 32 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के 272 जिलों के लिए की गई है, जिन्हें देश में नशीली दवाओं के उपयोग के मामले में सबसे कमजोर माना गया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार, देश में 60 मिलियन से अधिक नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता 10-17 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के जरिए युवाओं को नशे से दूर रखने और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास किया जाता है। इस अभियान के तहत नशे के खिलाफ शपथ दिलवाई जाती है, नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, नशे के खिलाफ खेलों का आयोजन किया जाता है। नशे के खिलाफ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं और परिचर्चाएं आयोजित करना, मानव श्रृंखला बनाना, नुक्कड़ नाटक करना शामिल हैं। इस अभियान के तहत नारकोटिक्स ब्यूरो, राज्य और जिला सरकार, पुलिस, गैर सरकारी संगठन, अस्पताल वगैरह मिलकर काम करते हैं। नशा मुक्ति के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 14446 की सुविधा है। नशा मुक्त भारत अभियान की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है।

कुछ अलग

धुंध भरे बदलाव का इंतजार

कल तक जो आपके घर में दूध में पानी मिलाकर बेचते थे, उन्हें अगर आज मिलावट के विरुद्ध और कुपोषण के खिलाफ जंग छेड़ते देखते हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि आपके इलाके में जल संकट गहरा हो गया है और आपके दूध में भी पानी नहीं मिला पाते। दूध को गाढ़ा करने वाले पाउडर के दाम बढ़ गए हैं, इसलिए उनके मन में बिना मिलावट दूध बेचने का पुण्य कमाने का जज्बा पैदा हो गया है। आज शायद 'हींग लगे न फिटकड़ी रंग भी चोखा आए' का नया चलन पैदा हो गया है। अब दूध में पानी मिलाने का झंझट काहे पालना, जबकि इसके विरुद्ध विशुद्ध संस्कृति का नारा लगाने से ही आपकी नेतागिरी की पालकी को किराये के कहार उठा लेते हैं। दाम चुकाओं तो आज क्या नहीं मिल जाता। पहले किराये पर रैलियां सजती थीं, भीड़ जुटती थी, मंच सजते थे, मतदान बूथों के बाहर जाति और धर्म के नाम पर बिके वोटरों की कतारें सजती थी, अब तो बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया में सेंध लग जाती है। आपका व्हाट्सएप बिकने लगा। मोहल्ले में वोट मांगते नेता अब अपने जूते क्यों चटखायें, आपकी चिरौरी करते नज़र क्यों आएं? व्हाट्सएप से आपके मन और रुझान की खाना तलाशी करते हुए मनभावन घोषणाओं से अपने वोटरों का मन जीत लें, और राजनीति में वंशवादी परम्पराओं को स्थापित कर लें। बंधु, ज़माना बदल गया है। नई सदी ने नई समझ दे दी है। अब सदियों से पिछड़े हुए इस देश की गुरुतर आबादी को हर समस्या का हल वृहद परिप्रेक्ष्य में करना सीखना होगा। अब समझ का व्याकरण ही न बदलो, अपने नये शब्दकोषों में शब्दों के अर्थ भी बदल डालो। वर्तमान से असंतुष्ट लोगों को अतीत की गरिमा से सराबोर कर दो। आंकड़े बताते हैं कि मिलावटी दूध के कुपथ्य ने पांच साल की उम्र के आधे से अधिक और बारह साल की उम्र तक आधे से कम नौनिहाल मौत के या अपहरण के हवाले कर दिए, तो लोगों को वर्तमान के प्रति असंतोष की ज्वाला में दहकने न दो। बल्कि उन्हें बताओ कि हमारे यहां तो शुद्ध पवित्र वातावरण में काम धेनु गायों के मिल जाने की परम्परा है। इस देश में उसी परम्परा को जीवित करने का महती प्रयास हो रहा है। तब आम के आम और गुठलियों के दाम मिलेंगे। लेकिन बंधुवर, हथेलियों पर सरसों तो नहीं जमायी जा सकती न। देश में अतीत का वैभव लौटाने के लिए इंतजार करना ही होगा। इस देश में कामधेनु और कल्पवृक्ष का युग भी लौट कर आएगा। तब यह जीवन, समाज और गलत भौतिकवादी मूल्यों का गंदलापन छंट जाएगा। इन दिनों का इंतजार करो, तब तुम्हें नहीं कहना पड़ेगा कि 'हर शाख पर उल्लू बैठे हैं, इस चमन का यारो क्या होगा?' फिलहाल इस उजड़ते चमन की सूखी डालियों पर महंगाई, भ्रष्टाचार, नौकरशाही और गाल बजाते मसीहाओं के उलूकनुमा व्यवहार को सहन करो, क्योंकि कल तो इन्हीं डालियों पर सोने की चिडिया चहचहाएंगी। देश में सतयुग की वापसी चाहते हो न, तो आज के इस कलियुग और अंधेरनगरी चौपट राजा के माहौल को सहन करो। बड़े बूढ़ों ने भी कहा तो है कि सहज पके सो मीठा होय। इस काल में अगर राम राज्य की वापसी चाहते हो, तो आज इस दानव राज को असाध्य बीमारी की तरह स्वीकार करो। देखो, उच्छृंखलता की निशानी है, यह विशुद्ध संस्कारित समाज की परिभाषा में नहीं आता। बड़े बूढ़े बोले, हमें इन परिभाषाओं को बदलना नहीं है, इनमें संयम, धीरज और अनुशासन के नए अर्थो को स्थापित करना है।

देश दुनीया से

क्या है शिखर योग?

जब हम योग की बात करते हैं तो दिमाग में जो तस्वीर बनती है वह व्यायाम से मिलते-जुलते किसी आसन की तस्वीर बनती है जिसमें हम शरीर को किसी निश्चित आसन में मोड़ते हैं और साथ में सांस को भी उसके साथ समन्वित करते हैं। निश्चित आसनों में शारीरिक व्यायाम के साथ सांस की लय के संगम को ही हम योग के रूप में जानते हैं, परंतु योग की यह परिभाषा सीमित परिभाषा है। योग का अर्थ ज्ञान भी है, और यह सिर्फ ज्ञान ही नहीं बल्कि बुद्धिमता या चैतन्य का प्रतीक है। ज्ञान, यानी नॉलेज जब बुद्धिमता, यानी विजडम में परिवर्तित हो जाए तो वह योग कहलाता है, और जब हम शिखर योग की बात करते हैं तो उसका मतलब व्यवहार में उतरे हुए, जीवन में उतरे हुए सर्वोच्च ज्ञान से है। वह ज्ञान जिसके बाद कुछ और जानना बाकी नहीं रह जाता है और वह ज्ञान जब हमारे व्यवहार में उतर जाता है, हमारे चरित्र में उतर जाता है, हमारे हर काम में उतर जाता है, हमारे जीवन में उतर जाता है तो वह शिखर योग बन जाता है। यह वैसे ही है जैसे कोई पर्वतारोही अगर किसी पर्वत पर चढना शुरू करे और वह उस पर्वत की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच जाए, जहां से और ऊपर जाने को कुछ भी न हो, तो वह सर्वोच्च शिखर है, और शिखर योग भी वही ज्ञान है जिसके बाद कुछ और जानने को बाकी ही न रह जाए, लेकिन शिखर योग सिर्फ जानने तक ही सीमित नहीं है। जान लेना आसान है। पढ़ लिया, सुन लिया, समझ लिया, इतना कुछ कर लिया तो सिर्फ 'जान लिया' और जब उसे व्यवहार में भी उतार लिया, जीवन का हिस्सा बना लिया तो ही योग से शुरू की गई यात्रा शिखर योग तक पहुंचती है। सहज संन्यास मिशन के अनुयायी संन्यासी के रूप में हम सीखते हैं। कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर महाभारत के युद्ध के समय जब अर्जुन शत्रु सेना में अपने मित्रों और रिश्तेदारों को देखकर परेशान हो गए और युद्ध करने की उनकी इच्छा ही डांवाडोल हो गई तो उनके सारथी के रूप में उनके साथ चल रहे भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का जो उपदेश दिया, उसके एक छोटे से हिस्से को भी समझ लें तो हम शिखर योग की परिकल्पना तक पहुंच सकते हैं। तब भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि सृष्टि के शुरुआत में मैंने अविनाशी योग का यह ज्ञान सबसे पहले सूर्य को दिया था। सूर्य ने वह ज्ञान मनु को दिया, मनु ने वह ज्ञान इक्ष्वाकु को दिया। इस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह ज्ञान आगे चलता रहा, पर धीरे-धीरे अगली पीढ़ी इससे विरक्त हो गई और यह अविनाशी ज्ञान लुप्त हो गया। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत युद्ध के समय अर्जुन को देते हुए इसे फिर से पुनर्जीवित किया। योग का अर्थ केवल आसन करने भर से नहीं, बल्कि अपने शुद्ध स्वरूप को जानने और उसमें टिक जाने से है। इसके बाद आज से लगभग 2200 वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने भी योग के इस बिखरे ज्ञान को समेटने का एक सफल और सार्थक प्रयास किया और इसे इक_ा करके 'योगसूत्र' में लिपिबद्ध किया। शिखर योग का यह अविनाशी ज्ञान कुंतीपुत्र अर्जुन को देते समय भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि मैं यह ज्ञान तुम्हें इसलिए दे रहा हूं क्योंकि तुम मेरे अनन्य भक्त हो और मित्र भी हो। अनन्य भक्त और मित्र नाम की इन दो विशेषताओं को समझना आवश्यक है जिन्होंने अर्जुन को इस अविनाशी रहस्य को सुनने और समझ पाने का पात्र बनाया। अनन्य भक्त की इस शर्त को समझना तो बहुत आसान है, जिसका मतलब है, बिना शर्त पूर्ण समर्पण। समर्पण हो, पूरा हो और बिना शर्त हो, तो व्यक्ति अनन्य भक्त हो सकता है। जब दो व्यक्तियों में परस्पर पूर्ण विश्वास हो, एक-दूसरे की नीयत पर संदेह की कोई गुंजायश न हो, बिना शर्त और किसी भी हद तक जाकर एक-दूसरे का साथ देने की इच्छा हो तो ही मित्रता सच्ची है। अर्जुन में ये सभी गुण थे। वे भगवान श्री कृष्ण के अनन्य भक्त थे, उनका समर्पण पूरा था। वे भगवान श्री कृष्ण के हर आदेश का पालन करते थे और हर सलाह पर पूरा विश्वास करते हुए उस पर अमल करते थे तथा भगवान श्री कृष्ण के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार तो वे थे ही। यह समझना फिर से आवश्यक है कि हमने शिखर योग के बारे में पढ़ लिया और यह हमें समझ में भी आ गया, पर क्या इतना काफी है? क्या हम भगवान को प्रिय हो गए? क्या हम इस काबिल हो गए कि हम भगवान के मित्र हो सकें? एक छोटी सी कहानी से इसे समझने की कोशिश करते हैं। कहते हैं कि किसी राजा ने एक संत से प्रार्थना की कि वे उन्हें जीवन बंधन से मुक्त होने की शिक्षा दें। संत ने कहा कि कल मैं आपके दरबार में आकर आपको इसकी शिक्षा दूंगा। अगले दिन नियत समय पर संत जब दरबार में आए तो वे दरबार के एक खंभे से लिपट गए। अपने दोनों हाथों से उन्होंने उस खंभे को जकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे, 'अरे देखो, यह खंभा मुझे छोड़ नहीं रहा है। कोई मुझे बचाओ, बचाओ।' यह दृश्य देखकर राजा हंसने लगा और बोला कि मैं तो समझता था कि आप बहुत ज्ञानी हैं, पर आप तो निपट मूर्ख मालूम होते हैं। खुद ही आपने खंभे को जकड़ रखा है और खुद ही चिल्लाये जा रहे हैं। खंभे से हाथ हटा लीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे। संत ने खंभे से हाथ हटा लिये और राजा से बोले, 'जो बात आपने मुझे अभी कही है, यही बात मैं आपको बताने आया हूं। दुनियादारी का मोह छोड़ दीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे।' सहज संन्यास मिशन में शिखर योग की व्याख्या ही यही है कि परमात्मा के प्रति हमारा समर्पण पूर्ण हो। सुख हो, दुख हो, संघर्ष हो, कठिनाई हो, मान हो, अपमान हो, स्वास्थ्य हो, बीमारी हो, अमीरी हो, गरीबी हो, हर हाल में परमात्मा का शुक्रिया ही करना है। परमात्मा चाहें जिस हाल में रखें, परमात्मा पर विश्वास में कमी न हो। कोई शिकायत न हो, बस शुक्रिया ही शुक्रिया हो। यह विश्वास भी कभी न डिगे यह पूरा ब्रह्मांड परमात्मा की ही अभिव्यक्ति है और इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में परमात्मा का ही नूर है।

निश्चित आसनों में शारीरिक व्यायाम के साथ सांस की लय के संगम को ही हम योग के रूप में जानते हैं, परंतु योग की यह परिभाषा सीमित परिभाषा है। योग का अर्थ ज्ञान भी है, और यह सिर्फ ज्ञान ही नहीं बल्कि बुद्धिमता या चैतन्य का प्रतीक है। ज्ञान, यानी नॉलेज जब बुद्धिमता, यानी विजडम में परिवर्तित हो जाए तो वह योग कहलाता है, और जब हम शिखर योग की बात करते हैं तो उसका मतलब व्यवहार में उतरे हुए, जीवन में उतरे हुए सर्वोच्च ज्ञान से है।

आप का नजरीया

भीड़-भगदड़ वाला देश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ को 'मृत्यु-कुंभ' करार दिया है। यह राजनीतिक, सांप्रदायिक और सनातन-विरोधी बयान है। इसे नजरअंदाज करना ही बेहतर है, क्योंकि हर अनर्गल बयान का पलटजवाब देना उचित और जरूरी नहीं है। ममता हिंदू-विरोधी बयान तो दे सकती हैं, लेकिन इस्लाम या किसी अन्य धर्म, संप्रदाय, मत, आस्था-विश्वास के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करके दिखाएं, तो बंगाल में दंगों के आसार बन सकते हैं। बहरहाल महाकुंभ के संदर्भ में भीड़ और भगदड़ की चर्चाएं खूब हैं और ऐसे दृश्य भी देखने को मिल रहे हैं, लेकिन आजकल ऐसा लगता है मानो पूरा देश जाम में फंसा है और आम आदमी भीड़ में दबा-कुचला अपनी सांसों के लिए संघर्ष कर रहा है! यह महाकुंभ का ही नहीं, भारत का भी यथार्थ है, क्योंकि आबादी 146 करोड़ को पार कर चुकी है, लेकिन संसाधनों में उतनी आनुपातिक बढ़ोतरी नहीं हुई है। हमने शोध के जरिए कुछ आंकड़े हासिल किए हैं, जो देश की संकरी और असहाय व्यवस्था को बयां करते हैं। दरअसल जब भारत की आबादी 36 करोड़ के करीब थी, तब देश में करीब 6000 रेलवे स्टेशन थे, लेकिन आज आबादी के 146 करोड़ के पार पहुंचने के बावजूद 8495 रेलवे स्टेशन ही हैं। औसतन 2 लाख लोगों पर मात्र 1 ही रेलवे स्टेशन है, तो भीड़ क्यों न जमा हो और भगदड़ के हालात क्यों न बनें? औसतन एक लाख लोगों पर मात्र 1 ही यात्री रेलगाड़ी (900 सीट की) है। औसतन 10,000 लोगों पर एक ही सरकारी बस (70 सीट) उपलब्ध है। औसतन 1 करोड़ लोगों पर एक ही हवाई अड्डा है। देश के 4 करोड़ नागरिकों पर सर्वोच्च अदालत का एक ही न्यायाधीश है, जबकि औसतन 18 लाख लोगों को उच्च न्यायालय का एक ही न्यायाधीश न्याय देने की स्थिति में है। औसतन 7-10 साल की जिंदगी आम आदमी लाइनों में खड़े रहने में बिताने को विवश है, क्योंकि भीड़ ही इतनी है, लिहाजा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि आम आदमी का क्रोध, तनाव बढ़ता रहता है। उन मानसिक स्थितियों में वह कुछ भी कर सकता है! भारत में जन्म से पहले ही लाइन लगानी पड़ती है, क्योंकि अस्पतालों में भीड़ है और डॉक्टरों की संख्या बेहद कम है। स्कूल में प्रवेश लेने, पढने और उसके बाद नौकरी लेने, राशन प्राप्त करने और अपनी राष्ट्रीय पहचान के लिए आधार कार्ड बनवाने के लिए, अंततः, लाइनों से ही गुजरना पड़ता है। मृत्यु प्रमाणपत्र हासिल करना है, तो भी लाइन लगती है। इन लाइनों का बुनियादी कारण भीड़ ही है। महाकुंभ के लिए कोई लाइन नहीं है, बल्कि बेतहाशा, बेलगाम भीड़ है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि भीड़ का भी आनंद लेना चाहिए। जब भीड़ भगदड़ बन जाती है, तो कुचलन में कौनसा आनंद मिलेगा या मौत मिलेगी? भगदड़ सिर्फ महाकुंभ की भीड़ के कारण ही नहीं हुई थी, बल्कि नई दिल्ली के अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन पर भी हुई थी। यह गंभीर मानवीय समस्या है। सरकार इस समस्या का समाधान जरूर तलाशे।

प्रेमजाल में फंसाकर स्कूली छात्राओं से यौन शोषण मामले में आज बिजयनगर बंद

अजमेर (हिंस)। ब्यावर जिले के बिजयनगर में स्कूली छात्राओं को प्रेमजाल में फंसाकर ब्लैकमेल और यौन शोषण का मामला अब तूल पकड़ रहा है। मामले में उचित कार्रवाई नहीं होने से सर्व समाज में आक्रोश व्याप्त है। ऐसे में शुक्रवार को बिजयनगर कस्बा पूरी तरह बंद है। छह स्कूली छात्राओं से ब्लैकमेल व देहशोषण प्रकरण को लेकर गुरुवार रात तारों का खेड़ा में सर्वसमाज के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। जिसमें 21 सदस्यीय सर्वसमाज संघर्ष समिति का गठन कर शुक्रवार को बिजयनगर बंद का आह्वान किया गया। इसके चलते सुबह से बिजयनगर बंद है। सुबह से ही सभी दुकानें पूरी तरह बंद है। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। सर्व समाज के लोग सुबह चार बत्ती चौराहा पर एकत्रित हुए। इसके बाद बाजार में घूमकर दोषियों को फांसी देने की मांग कर रहे है। अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आज प्रशासन को ज्ञापन भी दिया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने 13 नामजद में से अब तक नौ आरोपियों समेत एक नाबालिग को पकड़ा है। आरोपी करीम

कुरैशी और आशिक मंसूरी एवं चिल आउट कैफे संचालक श्रवण चौधरी को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। मसूदा वृत्ताधिकारी सज्जनसिंह ने बताया कि प्रकरण में गिरफ्तार पांच आरोपी रिहान मोहम्मद, सोहेल मंसूरी, लुकमान उर्फ सोहेब, अरमान पठान व साहिल कुरैशी की रिमांड अवधि शुक्रवार को समाप्त होगी। उन्हें पुन: अजमेर पोक्सो न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस उप महानिरीक्षक (अजमेर रेंज) ओमप्रकाश ने इस प्रकरण को केस ऑफिसर स्कीम में लेने व महिला पुलिस निरीक्षक की स्पेशल नियुक्ति के आदेश दिए हैं। उन्होंने पीड़िताओं के साथ गवाहों की सुरक्षा व आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद सात दिन में अदालत में चालान पेश कर विचारण शुरू करवाने की बात कही है। आरोपी युवकों ने *लव जिहाद* के नाम पर गिरोह बनाते हुए छह स्कूली छात्राओं को साजिश का शिकार बनाया। उन्हें पहले चाइनीज मोबाइल का प्रलोभन देकर प्रेमजाल में फांसा। फिर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाते हुए ब्लैकमेल कर मानसिक प्रताड़नाएं दी। धार्मिक क्रिया-कलाप से इनकार पर परिजनों को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने छात्राओं के परिजन की रिपोर्ट पर यौन उत्पीड़न, छात्राओं का पीछाकर परेशान करना, किसी धर्म जाति के संबंध में झूठी जानकारी व अफवाह फैलाने, देहशोषण, पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। अभिभावकों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी गुलाबपुरा निवासी सोहेब, बिजयनगर के सोयल मंसूरी, अयान, अरफान, साहिल, आशिक कुरैशी, रियान, जावेद, आमान, करीम, फैजान समेत 10-15 अन्य युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

पिंकफेस्ट 2025 का हुआ भव्य आगाज

जयपुर (हिंस)। पिंकसिटी, जयपुर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैभव को समर्पित कल्चर डिजाइन फेस्टिवल पिंकफेस्ट के चौथे संस्करण की भव्य शुरुआत राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुई। पहले दिन कला, संगीत, साहित्य और संवाद का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसमें देश-विदेश के ख्याति प्राप्त कलाकारों, लेखकों और वक्ताओं ने भाग लिया। मन के रचनात्मक कौने से निकली कल्पनाओं के सौंदर्य को जाहिर करती पेंटिंग्स, कला व संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने वाले संवाद सत्र, रंगमंच और संगीत की सुगंध से सराबोर करने वाली प्रस्तुतियां ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। इस सांस्कृतिक कला कुंभ का भव्य उद्घाटन आरआईसी निदेशक एनसी गोयल, फेस्टिवल मेंटर प्रो. चिन्मय मेहता, फेस्टिवल कन्वीनर भवानी शंकर शर्मा, पिंकफेस्ट के फाउंडर सत्यजीत तालुकदार, नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, एनपी पाढ़ी, संजीव गौतम, भरत गुप्त, प्रताप राव समेत वरिष्ठ कलाकारों ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। सैशन *भारतीय कलाओं में कथनात्मकता* सत्र में प्रो भरत गुप्त ने कहा कि भारतीय कलाओं के आपस में जुड़ाव से ही कला की परंपरा को बचाया जा सकता है। सत्र में नर्मदा प्रसाद उपाध्याय, लक्ष्मी कृष्णामूर्ति, डॉ. तूलिका गुप्ता ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र को स्वाति वशिष्ठ ने मॉडरेट किया। *रचनात्मक प्रक्रिया की अवधारणा* सत्र में भारतीय कला में रंगों के महत्व पर बात करते हुए आर रामानंद ने कहा कि रंग जिज्ञासा का स्रोत होते हैं, कलाकार अपने चित्र में रंगों के माध्यम से अपने भाव प्रस्तुत करता है। सत्र में राकेश व्यास, सुदेश शर्मा, प्रोफ संगीत पिल्लै, नीकी चतुर्वेदी आदि गणमान्य उपस्थित रहे। फेस्ट में प्रसिद्ध कलाकार धर्मेंद्र राठौड़ के क्यूरेशन में इंटरनेशनल लेवल के देश-विदेश के 100 आर्टिस्ट की 400 से अधिक पेंटिंग्स प्रदर्शित की जा रही है। इन पेंटिंग्स में राजस्थान की कला, संस्कृति और धरोहरों को बहुत सहजता के साथ संजोया गया है। प्रदर्शनी में ब्राजील, नार्वे, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आदि देशों के ख्यात कलाकारों और रितिक पटेल, अभिषेक शर्मा, सूरज पटेल, श्रीधर अय्यर, मुकेश साल्वी, आरबी गौतम, केआर सुभाना, जयंत पारिख, सुभाष चंद, कुश माली आदि राष्ट्रस्तरीय कलाकारों का हुनर देखने को मिल रहा है। फेस्ट के पहले दिन बोधि प्रकाशन की दो पुस्तकें लांच की गई। प्रसिद्ध लेखकों, ऑथर और पब्लिशर्स द्वारा पुस्तक के बारें में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। पहले दिन लेखिका मधु सक्सेना की कविता संग्रह *चुटकी भर* और लेखक मनीष पारीक का काव्य संग्रह *मिलूंगा तुम्हें* लांच किया गया। पहले दिन लाइव आर्ट कैंप, कल्चर रैम्प वॉक, थिएटर प्रस्तुतियां, कथक, शास्त्रीय गायन-वादन, लोक संगीत, दादी-नानी की कहानियां और स्टोरी टेलिंग जैसी प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र बनीं।

भजनलाल सरकार के पास एक साल का कोई काम गिनाने के लिए नहीं : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए विधानसभा सत्र नहीं चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पूरी सरकार तमाशा सरकार बन चुकी है और बजट पर चर्चा से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर डोटासरा समेत छह कांग्रेसी विधायकों को विधानसभा से सस्पेंड करने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि पहले भाजपा सरकार के एक मंत्री द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी तथा इस पर माफी ना मांगने पर विरोध करने वाले कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित करना, यह दिखाता है कि राजस्थान विधानसभा में भी लोकसभा तथा राज्यसभा जैसा तरीका अपनाया जा रहा है। जैसे वहां अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए सांसदों को सस्पेंड किया जाता है वैसे ही यहां किया गया है। उन्होंने लिखा कि आखिर प्रश्नकाल में मंत्री को अपने जवाब के अलावा ऐसी टिप्पणी करने की क्या आवश्यकता थी? देश के लिए जान देने वाली नेता पर ऐसी ओछी मानसिकता से की गई टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गहलोत ने लिखा कि ऐसा लगता है कि पूरी सरकार ही तमाशा बन गई है। सरकार के पास एक साल का कोई काम गिनाने के लिए नहीं था इसलिए अभिभाषण पर इनकी असफलताएं उजागर करने वाला नेता प्रतिपक्ष का भाषण नहीं होने दिया। अब हमारे प्रदेशाध्यक्ष सहित दलित, पिछड़े, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक वर्ग से आने वाले विधायकों को बजट सत्र से सस्पेंड कर दिया गया। कहीं ये बजट पर चर्चा से ध्यान भटकाने का ही तो प्रयास नहीं है?

कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल की याचिका पर 25 फरवरी को होगी सुनवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने खडूर साहिब लोकसभा हलके से कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए 25 फरवरी को सुनवाई तय की है। अमृतपाल सिंह की संसद सदस्यता खतरे में है। इस समय डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह 46 दिन से लोकसभा से गैरहाजिर हैं। अमृतपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके उन्हें लोकसभा की कार्रवाई में शामिल होने की इजाजत मांगी है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में शुक्रवार को अमृतपाल की तरफ से लगाई गई याचिका पर सुनवाई के बाद अगली तारीख 25 फरवरी दी है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट इस मामले में तकनीकी पहलुओं को समझना चाहता है। इसको लेकर 25 फरवरी को तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हो सकती है। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस के माध्यम से पूछा है कि क्या अमृतपाल की सीट को रिक्त घोषित करने के लिए किसी कमेटी का गठन किया गया है या नहीं।

लखपति दीदी से जुड़े सवाल पर मंत्री-विधायक में वार-प्रतिवार, कांग्रेस का हंगामा

जयपुर (हिंस)। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान लखपति दीदी से जुड़े सवाल पर ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी को कांग्रेस विधायक रफीक खान ने घेरने का प्रयास किया। मंत्री के जवाब पर रफीक खान ने पूरक सवाल करने शुरू किए तो सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग बचाव में उतरे। इस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई, कुछ देर हंगामा होता रहा। रफीक खान ने पूरक सवाल पूछा कि लखपति दीदी लखपति कैसे बनती है, फंड कहां से आ रहा है, पैसा कहां से मिल रहा है, कौनसी संस्था दे रही है। इस पर मंत्री देवासी ने आंकड़े रखे और कहा कि 15 लाख से ज्यादा महिलाओं का लखपति दीदी योजना में चयन हुआ है। विधायक रफीक खान ने मंत्री के जवाब पर सवाल उठाते हुए कहा कि मेरा सवाल लगने के बाद सारे गलत डेटा दे दिए। योजना में हर महीने का और जिलेवार डेटा दीजिए। मंत्री ने कहा कि सभी ब्योरा भेज दिया है। रफीक खान ने कहा कि एक महिला को पैसा नहीं मिला है। कितनी महिलाओं को कब-कब पैसा दिया, यह जानकारी नहीं है। मंत्री देवासी ने जवाब दिया कि लखपति दीदी योजना में सीधा पैसा नहीं मिलता, स्वयं सहायता समूह से जोड़ते हैं। जवाब सुनने की क्षमता रखिए, जवाब देने में सक्षम हूं। 15 लाख का चयन किया। 15 लाख 21 हजार लखपति दीदी का चयनीकरण कर दिया। पूरे राजस्थान का ब्योरा दिया है। इस दौरान रफीक खान ने अधिकारियों पर आरोप जड़ दिए तो सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ग्रामीण विकास राज्य मंत्री के बचाव में उतरे। मंत्रियों के विरोध के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आपत्तिजनक शब्दों को कार्यवाहीं से निकाल दिया। इस पर कांग्रेसी विधायक अपनी अपनी सीटों पर खडे हो गए और विरोध करने लगे। इससे पूर्व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री देवासी ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष की बजट घोषणा में प्रदेश में लखपति दीदी योजना का दायरा ब ?ाते हुए अब 20 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना के तहत वर्ष 2024-2025 की बजट घोषणा के द्वारा 15 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध राजीविका द्वारा जनवरी 2025 तक 15 लाख 21 हजार 332 लखपति दीदी का चिन्हीकरण कर इन्हें विभिन्न आजीविका सम्बन्धित गतिविधियों से जोड़ा गया है। उन्होंने जानकारी दी कि लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह की सदस्या होती हैं। इस योजना के तहत महिलाओं को सीधे रोजगार न देकर विभिन्न कृषि एवं गैर कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़कर इनकी आय को एक लाख से अधिक करने का प्रावधान है।

दम है तो रोजा, सुन्नत, हज पर बोलकर दिखाएं ममता बनर्जी : मंत्री बघेल

उदयपुर (हिंस)। केंद्रीय पशुपालन व डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मृत्युकुंभ के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि दम है तो वे रोजे, सुन्नत, नमाज, कलमा, हज पर बोल कर दिखाएं। उन पर शक जाहिर करके देखें। उनका यह बयान सिर्फ मुस्लिम वोटों के तुष्टीकरण की नीति के तहत दिया गया है। उदयपुर में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ममता के बयान पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बघेल ने कहा कि सनातन ऐसा सहज धर्म है कि कोई भी आकर कुछ भी बोल जाता है। बघेल ने कहा कि ममता बनर्जी बोल रही हैं कि 100 लोगों की बारात आ जाती है तो हमारे हाथ-पांव फूल जाते हैं। महाकुंभ में 53 करो ? लोगों का प्रबंधन किया गया। उन्होंने कहा कि न तो घाटों को बढ़ाया जा सकता है न ही नदियों को शहर के पास लाया जा सकता है। सीमित संसाधनों में ही सारा कार्य करना होता है। जो दुर्घटना हुई उसका दु:ख है, इसके लिए जांच आयोग बना दिया गया है। उनकी रिपोर्ट पर कार्रवाई होगी। ममता बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सनातन लिबरल है, इसलिए कोई भी कुछ भी कह देता है। बघेल ने अखिलेश यादव को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे भी रोज सनातन के खिलाफ कुछ न कुछ कहते रहते हैं।

बजट सत्र में खुदा की नियामत बंद कीजिए : ब्रजेश पाठक

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधान सभा में बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जनसंख्या पर रोक लगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही जनसंख्या बढ़ाते रहोगे तो समस्या आती रहेगी। हुआ यूं कि विधान सभा में शून्य प्रहर के दौरान समाज वादी पार्टी के सदस्य कमाल अख्तर के प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने उप्र की स्वास्थ्य सेवाओं को कमतर बताया। इस पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सिलसिलेवार तरीके से सरकार का पक्ष रखा। इसके साथ ही उन्होंने सपा के सदस्य कमाल अख्तर की ओर मुखातिब होकर यह भी कहा कि खुदा की नियामत बंद कीजिए। इसके आगे पाठक ने कहा कि जनसंख्या बढ़ाते रहोगे तो समस्याएं ऐसे ही बढ़ती रहेंगी। दरअसल सपा की तरफ से

कार्य स्थगन का प्रस्ताव लाकर स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा कराए जाने की मांग की गई थी जिसे पीठ की तरफ से स्वीकार नहीं किया गया। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शुक्रवार को पीठ से कहा कि यदि उनकी ओर से कोई निर्देश दिया गया है, समय से उसे पूरा नहीं किया गया तो उसे पीठ की अवमानना माना जाएगा। यदि अवमानना होगा तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने करने के लिए पीठ स्वतंत्र होगी। विधान सभा अध्यक्ष की इस बात को सुनकर सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों में संतुष्टि का भाव दिखा।

प्रयागराज से लौट रहे तीर्थयात्रियों की कार ट्रक से टकराई, छह की मौत

पटना (हिंस)। भोजपुर जिले में प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे कार सवार छह तीर्थयात्रियों की आज सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतकों में दंपति और उनके दो बच्चे भी हैं। यह हादसा राजधानी पटना से 40 किलोमीटर पहले आरा-मोहनिया नेशनल हाइवे पर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास हुआ। तीर्थयात्रियों की कार ने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। कार सवार परिवार पटना के जक्कनपुर का रहने वाला था। मृतकों में चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। इनकी पहचान संजय कुमार (62), पत्नी करुणा देवी (58), बेटे लाल बाबू सिंह (25), बेटी प्रियम कुमारी (20) और पटना के कुम्हरार निवासी आनंद सिंह की बेटी आशा किरण (28), चंद्रभूषण प्रसाद की बेटी जूही रानी (25) शामिल हैं।

यूपी की 57 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं बनेंगी *सूर्य सखी*

लखनऊ (हिंस)। योगी सरकार ने प्रदेश में बीसी सखी और विद्युत सखी की सफलता के बाद महिला सशक्तीकरण की दिशा में नई कवायद शुरू की है। योगी सरकार प्रदेश के सभी 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में एक-एक सूर्य सखी की तैनाती करेगी। इसके लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के तहत लाखों महिलाओं द्वारा स्थापित उद्यमों को अब डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादों से जोड़ा जाएगा। पहले चरण में 10 हजार उद्यमों को सोलर आधारित तकनीकों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे महिलाओं को सतत रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि वर्तमान में समूह की महिलाओं द्वारा लाखों की संख्या में उद्यम स्थापित किए गए हैं। इन सभी महिलाओं द्वारा स्थापित उद्यमों को डीआरई प्रोडक्ट जैसे सोलर आटा चक्की, सोलर वाटर पम्प, सोलर ड्रायर, सोलर ड्री फ्रीजर, सोलर कोल्ड स्टोरेज, सोलर फूड प्रोसेसिंग मशीन, बॉयो फोलोक में सोलर सिस्टम, मिल्क चिल्लर को डीआरई प्रोडक्ट के माध्यम से जोड़ने की पहल शुरू की जाएगी। प्रथम चरण में 10 हजार उद्यमों को डीआरई प्रोडक्ट से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि यूपीएसआरएलएम के तहत *प्रेरणा ओजस* नामक कंपनी का गठन किया गया है, जो सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को सहयोग देगी। यह कंपनी सोलर प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग, सोलर शॉप्स, क्लीन कुकिंग और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें उद्यमिता से जोड़ रही है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) के साथ मिलकर *सूर्य सखी* कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई है, जिसके तहत प्रदेश की 57, 702 पंचायतों में एक-एक सूर्य सखी की नियुक्ति की जाएगी। यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला ने बताया कि डीआरई उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। अगले तीन वर्षों में प्रेरणा ओजस के माध्यम से एक लाख महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत हर पंचायत में एक सूर्य सखी को पदस्थ किया जाएगा। पूरे प्रदेश में 57, 702 सूर्य सखी की तैनाती होगी और इन सूर्य सखियों से सोलर उद्यम स्थापित कराए जाएंगे, जिससे उन्हें आजीविका के अवसर प्रदान होंगे। प्रत्येक मंडल में 18 सोलर प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की जाएगी, जबकि 826 ब्लॉकों में कुल 3, 304 सोलर शॉप्स खोली जाएंगी। परियोजना के जमीनी कार्यान्वयन में पीसीआई संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गेट्स फाउंडेशन, एचएसबीसी और ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपल एंड प्लानेट जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का भी इसमें सहयोग मिल रहा है। इस योजना को क्लस्टर लेवल फेडरेशन के माध्यम से लागू किया जाएगा। इस कार्य को जमीनी स्तर पर पीसीआई और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह की महिलाओं द्वारा संचालित प्रेरणा ओजस संस्था के साथ मिलकर कार्य इम्प्लिमेंटिंग किया जाएगा। इसके साथ-साथ पूरे प्रदेश में सोलर एंटरप्राइज के माध्यम से अगले 3 साल में समूह की एक लाख महिलाओं को डीआरई प्रोडक्ट से जोड़ा जाएगा जिससे उन्हें रोजगार से अवसर प्रदान हो सकेंगे। इससे ग्रामीण महिलाओं को न केवल आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी, बल्कि उन्हें *सोलर दीदी* के रूप में एक नई पहचान भी मिलेगी। डीआरई तकनीक को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की जा रही है।

किसान संगठनों की केंद्र के साथ छठे दौर की वार्ता चंडीगढ़ में आज को होगी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खनौरी व शंभू बार्डर पर आंदोलन कर रहे किसान संगठनों की केंद्र सरकार के साथ शनिवार को चंडीगढ़ में वार्ता होगी। इस बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भाग लेंगे। केंद्र सरकार व किसान संगठनों के बीच यह छठे दौर की वार्ता होगी। इससे पहले पांचवें दौर की वार्ता बीती 14 फरवरी को चंडीगढ़ में हुई थी, जिसमें केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भाग लिया था। किसान संगठनों तथा केंद्र सरकार की तरफ से शुक्रवार को छठी बैठक का कार्यक्रम जारी कर दिया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज चौहान बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पंजाब सरकार की तरफ से इस बैठक में पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां भाग लेंगे। किसान संगठनों ने इस बैठक में शामिल होने का ऐलान करते हुए शुक्रवार का बैठक में रखे जाने वाले एजेंडों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने पटना जिले को दी 1404 करोड़ रुपए से की सौगात

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के क्रम में पटना जिले को दनियांवा प्रखंड के ग्राम तोप से 1404.84 करोड़ रुपए की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 623 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 845.43 करोड़ रुपए की लागत से 387 योजनाओं का उद्घाटन एवं 559.41 करोड़ रुपए की लागत से 256 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। प्रगति यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने पटना जिला के बाढ़ प्रखंड स्थित बेढना पंचायत में पंचायत सरकार भवन के सौंदर्याकरण का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पंचायत सरकार भवन बेढना का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत जीविका ग्राम संगठनों को पांच वर्षों के लिए जोड़ा तालाब, बेढना पश्चिमी का नि:शुल्क आवंटन हेतु प्रमाण पत्र मत्स्य पालन के लिए जीविका दीदियों को प्रदान किया। जोड़ा तालाब में मुख्यमंत्री ने मत्स्य बीज डाली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तालाब का निरीक्षण कर जोड़ा तालाब के किनारे सीढ़ी घाट बनाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने एनर्जी चैंपियन के बीच ई-साइकिल का भी वितरण किया। ग्राम पंचायत बेढ़ना पश्चिमी अपशिष्ट प्रसंस्करण ईकाई का उद्घाटन कर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने दनियावां प्रखंड के ग्राम तोप में जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जीर्णोद्धार कराए गए तालाब, सीढ़ीघाट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उच्च माध्यमिक विद्यालय में खेल मैदान (बास्केटबॉल कोर्ट, बैंडमिटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, रनिंग ट्रैक तथा लंबी एवं ऊंची कूद) का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं खेल मैदान का निरीक्षण भी किया। खेल मैदान में मौजूद खिलाड़ियों से मुख्यमंत्री ने बातचीत कर उन्हें बधाई एवं शुभकामानाएं दी। मुख्यमंत्री ने पटना जिला अंतर्गत विकासात्मक योजनाओं से संबंधित शिलापट्टों का रिमोट के माध्यम से अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने मनेर के शेरपुर में जेपी गंगापथ परियोजना (दीघा-शेरपुर-बिहटा) के विस्तारीकरण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को रेखा चित्र के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना की लंबाई 35.65 किमी. होगी और इसकी अनुमानित लागत 6495.79 करोड़ रुपए होगी। दीघा से शेरपुर होते हुए

सादिकपुर तक लंबाई 18 किमी. होगी, जो एलिवेटेड पथ होगा। सादिकपुर से बिहटा (कोईलवर पुल तक) की लंबाई 17.65 किमी होगी। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को दीदारगंज-बख्तियारपुर-मोकामा पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का रेखा चित्र के माध्यम से जानकारी दी। इस परियोजना की लंबाई 82.5 किमी.होगी। इसके तहत 1103 करोड़ रुपए की लागत से दीदारगंज से अथमलगोला तक 42 कि.मी. (फोरलेन) तथा 250 करोड़ रुपए की लागत से अथमलगोला से मोकामा तक 42.5 कि.मी. सड़क बनेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि यह अच्छी योजना है, कार्य को तेजी से पूर्ण करें। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने 137.6246 करोड़ रुपए की लागत से छितनावां (एनएच 30) में नवनिर्मित ऊसरी दानापुर शिवाला बाईपास पथ के उन्नयन कार्य (लंबाई 7.10 मी) का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रुपसपुर नहर पहुंचकर सगुना मोड़ से रुपसपुर तक नेहरू पथ के दोनों तरफ भूमिगत नाला के साथ प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने आशियाना दीघा रोड स्थित राजीवनगर पहुंचकर राजीवनगर नाला एवं आनंदपुरी नाला पर प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि राजीवनगर नाला एवं आनंदपुरी नाला पर फोरलेन सड़क के निर्माण से दो लाख की आबादी को लाभ होगा। इसकी अनुमानित लागत 180.99 करोड़ रुपए होगी और लंबाई 4.26 किमी होगी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने 28.87 करोड़ रुपए की लागत से मौर्यालोक कॉम्प्लेक्स, पटना में नवनिर्मित बहुमंजिला हाईड्रोलिक पार्किंग का फीता काटकर उद्घाटन किया और उसका जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कदमकुआं में 903.376 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित दो मंजिला वेंडिंग मार्केट का फीता काटकर अनावरण कर उद्घाटन किया।

इटावा में सड़क हादसा चार युवकों की मौत

इटावा (हिंस)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के थाना ऊसराहार क्षेत्र अंतर्गत सरसई नावर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक पर सवार पांच युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में चार युवकों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायल को इलाज के लिए सैफई मेडिकल भेजा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि थाना ऊसराहार क्षेत्र अंतर्गत सरसई नावर मार्ग पर एक बाइक पर सवार पांच युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और तीन युवकों ने अस्पताल में पहुंचकर उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एक युवक गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में चल रहा है। उन्होंने बताया कि मरने वाले युवकों में आशीष (17), हिमांशु (15), राहुल (22) और रोहित (18) है। मेडिकल कॉलेज में जिस युवक का इलाज चल रहा हैश् उसकी पहचान प्रांशु के रूप में हुई है।

1 साल में 25000 रूपये बढ़ गए सोने के दाम

मुंबई

पिछले 1 साल में सोने की कीमतों में 25000 रूपये की तेजी बाजार में आई है। अभी यह तेजी और भी आगे जाने की संभावना जताई जा रही है। शेयर बाजार के मुकाबले में सोने में जिन्होंने निवेश किया है। उन्हें दो गुना ज्यादा मुनाफा हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3000 डालर प्रति ओंस की सीमा तोड़ेगा सोना

17 फरवरी 2024 से लेकर 20 फरवरी 2025 तक सोने का रिटर्न लगभग 41 फ़ीसदी तथा चांदी में 37.6 फ़ीसदी लाभ निवेशकों को मिला है। वहीं शेयर बाजार में 24 फीसदी का लाभ निवेशकों को मिला है। जिस तरह से शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। उससे यह मुनाफा और भी कम होगा। जिसके कारण निवेशकों का झुकाव सोने एवं चांदी की ओर बढ़ गया है।

16 फरवरी 2024 को 24 कैरेट सोने की कीमत 61743 प्रति 10 ग्राम थी। चांदी 70922 प्रति किलोग्राम थी। 1 साल की अवधि में 24 कैरेट सोने के दाम मैं 25000 से ज्यादा की तेजी आई है। 22 कैरेट सोने के दाम 23000 रूपये प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। चांदी की कीमत में 26644 प्रति किलो की तेजी आई है।

पिछले 37 दिनों से सोने का दाम लगातार बढ़ रहा है। इसमें अभी तक 14 फ़ीसदी से ज्यादा की तेजी आ चुकी है। 24 कैरेट सोने का दाम लगभग 11000 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुका है। गुरुवार को सोने के दाम नई ऊंचाई पर पहुंचे हैं। देश में 24 कैरेट सोने के दाम 87 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। डॉलर मुद्रा को लेकर जिस तरह की अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। चीन, रूस और ब्रिक्स के देश सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। उसके कारण बाजार में सोने के दाम और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जल्द ही सोना 3000 डालर प्रति ओंस के स्तर को पार कर सकता है। इस बात की संभावना जताई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

मेक इन इंडिया के 10 साल पूरेः अदाणी समूह ग्लोबल स्किल हब बनाएगा

नई दिल्ली। मेक इन इंडिया अभियान के 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत की थी जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का हब बनाना था। इस मैंगोलियाई कंपनी एडानी ग्रुप की साझेदारी के माध्यम से ग्रीन एनर्जी, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्रियल डिजाइन के क्षेत्र में कुशल प्रतिभाओं का विकास होगा। अडानी समूह करीब 2,000 करोड़ रुपये इस कार्यक्रम में निवेश करेगा और एडानी ग्लोबल स्किल्स एकेडमी केंद्र स्थापित करेगा। इसके जरिए युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा। पहले चरण में, दुनिया का सबसे बड़ा फिनिशिंग स्कूल गुजरात के मुंद्रा में स्थापित किया जाएगा जहां हर साल 25,000 से अधिक छात्रों को इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर की भूमिकाओं के लिए तैयार किया जाएगा।

भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर 2035 तक बढ़कर 550 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

मुंबई। भारत के ई-कॉमर्स सेक्टर को लेकर एक नई सूचना सामने आई है। एक अनुमान के अनुसार भारत का ई-कॉमर्स बाजार 2035 तक 4 गुना बढ़कर 550 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह जानकारी एक संयुक्त रिपोर्ट से आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत का ई-कॉमर्स बाजार 125 अरब डॉलर का था। अनारॉक के सीईओ ने बताया कि भारतीय ई-कॉमर्स बाजार 15 फीसदी की सीएजीआर के साथ 2035 तक 550 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं, जैसे इंटरनेट की बढ़ती पहुंच, स्मार्टफोन अपनाने की बढ़ती दर, डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार आदि। साथ ही, सरकारी पहल जैसे डिजिटल इंडिया और लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन नेटवर्क में हो रहे सुधार भी इस बढ़ते बाजार को सहारा दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स कंपनियां अब छोटे शहरों और कस्बों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिटेल इंडस्ट्री का बाजार भी 2035 तक 2,500 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह उम्मीद है कि भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर अपनी वृद्धि के साथ देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था बढ़ाने राज्यों के साथ मिलकर कर रहा कामः पीयूष गोयल

कोच्चि। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 30000-35000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए सभी राज्यों के साथ सहयोग कर रही है। उन्होंने इसके लिए विभिन्न उद्घाटन कार्यक्रमों में भाग लेकर निवेशकों को आकर्षित करने का प्रयास किया। गोयल ने केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन में उच्च स्तरीय अधिकारियों और निवेशकों के सामने यह लक्ष्य रखा और उन्हें निवेश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत में विकास और प्रगति के लिए अवसर अजेय हैं, और सभी राज्यों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। गोयल ने देश की अर्थव्यवस्था को मौजूदा 4000 अरब अमेरिकी डॉलर से 2047 तक 30000-35000 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य को बड़े विश्वास के साथ देखा।

किया ईवी6 की 1380 यूनिट्स को रिकॉल किया गया

मुंबई। किआ मोटर ने इस साल ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी किया ईवी6 का फेसलिफ्ट मॉडल लांच किया था, जिसमें नए फीचर्स और अपडेट्स दिए गए थे। हालांकि, इसका डिजाइन उतना प्रभावी नहीं रहा। 17 जनवरी 2025 से कंपनी ने इसके फेसलिफ्ट वर्जन के लिए बुकिंग शुरू कर दी थी, लेकिन अब खबर आ रही हैं कि किया ईवी6 को रिकॉल किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, किया ईवी6 को रिकॉल करने का कारण इलेक्ट्रिक एसयूवी के इंटीग्रेटेड चार्जिंग कंट्रोल यूनिट (आईसीसीयू) में गड़बड़ी है। यह गड़बड़ी सॉफ्टवेयर से जुड़ी हुई है, इस अपडेट किया जाएगा। इसके कारण, कंपनी ने कुल 1380 यूनिट्स को रिकॉल किया है। ये यूनिट्स 3 मार्च 2022 से लेकर 14 अप्रैल 2023 के बीच बनी थीं।

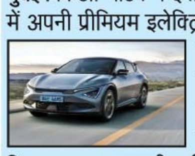

पोस्ट ऑफिस में 5 साल की एफडी पर मिल रहा 7.5 प्रतिशत ब्याज

नईदिल्ली

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इसे 5 साल के लिए निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो यह समझना जरूरी है कि कौन-सा विकल्प अधिक फायदेमंद होगा। पोस्ट ऑफिस की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) योजनाएं भारत में सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक मानी जाती हैं।

पोस्ट ऑफिस की फिक्स्ड डिपॉजिट योजना के तहत निवेशक एकमुश्त राशि जमा कर सकते हैं और उस पर निश्चित ब्याज दर के अनुसार रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। 5 साल की एफडी पर वर्तमान में 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। अगर कोई व्यक्ति 5 लाख रुपये एफडी में निवेश करता है, तो 5 साल बाद उसे कुल 7,24,974 रुपये मिलेंगे, जिसमें 2,24,974 रुपये का ब्याज शामिल होगा।

वहीं, पोस्ट ऑफिस की रिकरिंग डिपॉजिट योजना में निवेशक हर महीने एक निश्चित राशि जमा करते हैं और उस पर चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है। आरडी का मुख्य फायदा यह है कि यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो एकमुश्त राशि नहीं लगा सकते लेकिन हर महीने थोड़ी-थोड़ी बचत करना चाहते हैं। वर्तमान में 5 साल की आरडी पर ब्याज दर 6.7 प्रतिशत है। यदि कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये निवेश करता है, तो 5 साल में उसकी कुल जमा राशि 6 लाख रुपये होगी और मैच्योरिटी पर उसे 7,13,659 रुपये मिलेंगे, जिसमें 1,13,659 रुपये का ब्याज शामिल होगा। अगर तुलना की जाए तो एफडी में रिटर्न अधिक है, क्योंकि इसमें निवेश की गई पूरी राशि पहले दिन से ब्याज अर्जित करती है। वहीं, आरडी में हर महीने अलग-अलग समय पर जमा की गई राशि पर ब्याज मिलता है, जिससे कुल ब्याज अपेक्षाकृत कम हो जाता है।

फोन-पे शेयर बाजार में होगा सूचीबद्ध आईपीओ की तैयारी जारी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोन-पे ने देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिए अपने संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी शुरू कर दी है। फोन-पे का भाव वर्ष 2023 में आयोजित अंतिम वित्तपोषण दौर के दौरान 12 अरब डॉलर था। इसके साथ ही कंपनी ने दिसंबर, 2022 में सिंगापुर से भारत में स्थानांतरण किया था। फोन-पे ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने संभावित आईपीओ के संबंध में प्रारंभिक कदम उठा रही है और भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की योजना बना रही है। कंपनी ने दिसंबर, 2022 में सिंगापुर से भारत में स्थानांतरण किया था फोन-पे की ये लिस्टिंग भारतीय टेक स्टार्टअप्स के लिए एक बड़ा बेंचमार्क हो सकती है और डिजिटल फाइनेंस सेक्टर में नए निवेशकों के लिए नए अवसर खोल सकती है। फोन-पे डिजिटल पेमेंट ऐप अगस्त 2016 में लॉन्च हुआ था और जनवरी 2025 तक, कंपनी के पास 59 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर और 4 करोड़ से ज्यादा व्यापारियों तक फैला एक विशाल डिजिटल पेमेंट नेटवर्क था। फोन-पे के जरिए रोजाना 31 करोड़ से भी ज्यादा ट्रांजैक्शन होते हैं, जिसका सालाना टोटल पेमेंट वैल्यू 145 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। बता दें कि बेंगलुरु स्थित यह कंपनी देश की सबसे बड़ी डिजिटल पेमेंट सेवा प्रदाता है, जिसका यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस में करीब 48 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है।

सेबी ने यूनिफाइड इन्वेस्टर ऐप लॉन्च किया

मुंबई

निवेशकों की सुविधा को देखते हुए सेबी ने यूनिफाइड इन्वेस्टर ऐप लांच किया है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि इस नए डिजिटल प्लेटफार्म का उद्देश्य निवेशकों को एक ही ठिकाने से पूरी तरह स्वामित्व में निवेश संपत्तियों का प्रबंधन करने में मदद करना है। इस एप के माध्यम से, निवेशक अब अपने सीडीएसएल और एनएसडीएल की होल्डिंग्स, वित्तीय लेनदेन, म्यूचुअल फंड, ट्रेडिंग पोजीशन और अन्य निवेश संम्पत्तियों पर निगरानी रख सकते हैं एक ही जगह से।

अब एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी निवेशों की मिलेगी जानकारी

इसमें मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशनस के साथ साझेदारी है, जिससे निवेशकों को सतर्कता और सुरक्षितता की गारंटी मिलती है। अधिकारी ने बताया कि सभी सिक्योरिटीज असेट्स और ब्रोकरों में ट्रेडिंग पोज़ीशन आदि की माहिती पॉर्टफोलियो का कॉम्प्रिहेंसिव व्यू विशेष रूप से भावशील निवेशकों तक पहुंचा देते हैं जो निर्णय लेने के लिए आधारभूत हो सकते हैं। यह इस प्लेटफॉर्म पर निर्भर एक प्रमुख आधार है जिससे निवेशक आपनी एसेट्स और ट्रेडिंग पोजिशन के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस नए यूनिफाइड एप की सुविधाओं का खुलासा करते हुए सीडीएसएल के एमडी ने इसे सुरक्षा से लेकर निवेशकों की माँगों के अनुरूप बनाने के लिए मेल जोड़ने में मदद करने के लिए इसे एक नई अवसर बताया है। इससे निवेशकों को उनकी निवेशों पर नजर रखने की सुविधा मिलेगी और उन्हें रिस्क की सुविधा भी मिलेगी।

प्री-ओन्ड कार प्रोग्राम

अपने प्री-ओन्ड कार प्रोग्राम हुंडई प्रॉमिस के तहत हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने सीवाय 2024 में 1,57,503 प्री-ओन्ड कारें बेचीं। कारों की यही बिक्री साल दर साल 5.8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इस दौरान 35,553 प्रमाणित प्री-ओन्ड कारें बेची गईं, जो कुल बिक्री का 23प्रतिशत रही और इसमें 8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। हुंडई प्रॉमिस के तहत, हुंडई आई 20, क्रेटा और ग्रांड आई10 जैसे प्रमुख मॉडल्स ने कुल बिक्री में 55प्रतिशत का योगदान दिया। एसयूवी सेगमेंट ने 21प्रतिशत का योगदान किया, जिसमें क्रेटा (13प्रतिशत) और वेन्यू (8प्रतिशत) का अहम रोल रहा।

गेहूं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार ने बढ़ाई भंडारण सीमा

थोक, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करण करने वालों के लिए नए नियम लागू

नई दिल्ली

कोरोना महामारी के बीच भारत में खाद्यान फसलों की कीमतों का नियंत्रण रखने के लिए केंद्र सरकार ने गेहूं के भंडारण सीमा को संशोधित करने का एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करण करने वालों के लिए नए नियम लागू किए हैं। रकार ने निर्धारित तारीख तक लागू रहने वाले गेहूं की भंडारण सीमा को कम करके 250 टन कर दिया है। इसके साथ ही, खुदरा विक्रेताओं के लिए भंडारण सीमा को भी घटाकर चार टन किया गया है। इससे सरकार गेहूं की कीमतों को काबू में रखने और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत दिख रही है। इस निर्णय का उद्देश्य है कि भारत में खाद्यान्न के साथ-साथ गेहूं की आपूर्ति भी सुनिश्चित रहे। केंद्र सरकार ने गेहूं की भंडारण सीमा को मार्च 2025 तक संशोधित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय खुदरा विक्रेताओं को लेकर बड़ी सामान्य मार्केट में भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा। गेहूं का भंडारण करने वाली सभी इकाइयों को गेहूं भंडार सीमा पोर्टल पर पंजीकरण करना और हर शुक्रवार को भंडार की स्थिति की जानकारी देना जरूरी है।

महाकुंभ में गर्मजोशी और एकजुटता की भावना जोड़ रहा नेस्ले इंडिया

मुंबई

नेस्ले इंडिया आकर्षक ऑन-ग्राउंड गतिविधियों के माध्यम से महाकुंभ 2025 में गर्मजोशी, आराम और समुदाय की भावना जोड़ रहा है। मैगी और किटकैट जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ कंपनी का लक्ष्य दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के बीच एकजुटता, आराम और आनंद के क्षण प्रदान करते हुए आगंतुकों के अनुभव को और अधिक खास बनाना है। मैगी ने स्पेशल ज़ोन बनाए हैं, जहां आगंतुक गरमागरम मैगी का आनंद उठा सकते हैं। इन जोन में अलाव के लिए निर्धारित जगह होंगे, ताकि ठंडी सुबह और शाम के दौरान आगंतुकों को आराम मिल सके। इस पहल के हिस्से के रूप में, नेस्ले इंडिया इस आयोजन को संभव बनाने में योगदान देने वालों का सम्मानित करने के लिए सफाई कर्मचारियों को 12,000 कंबल भी बांटेगा और 2 मिनट मैगी मिल परोसेगा। मेले में लंबे और थकाऊ दिनों के बाद आराम की तलाश करने वालों के लिए, किटकैट ब्रेक ज़ोन एक्टिवेशन टेक अ ब्रेक लेकर आया है। आगंतुक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए रेन बसेरा आश्रयों में आराम कर सकते हैं, जो किटकैट ब्रेक ज़ोन के रूप में भी काम करते हैं। ज़ोन में रिसाइकिल की गई किटकैट बेंच भी हैं, जो आराम के साथ स्थिरता का मिश्रण हैं।

दक्षिण कोरिया ने ट्रंप से उसे जवाबी शुल्क लगाने की योजना से बाहर रखने का किया अनुरोध

सियोल। दक्षिण कोरिया ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से आयतित इस्पात और एल्यूमीनियम पर शुल्क बढ़ाने की अमेरिकी योजना से बाहर रखने का अनुरोध किया है। देश के शीर्ष आर्थिक शोध संस्थान ने भी अपने वृद्धि अनुमान में कटौती की है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया के शीर्ष आर्थिक शोध संस्थान ने इस महीने देश की अर्थव्यवस्था के लिए अपने वृद्धि अनुमान में कटौती की थी। इसमें अमेरिकी प्रशासन के शुल्क बढ़ाने और वैश्विक व्यापार को पुनः पटरी पर लाने के उद्देश्य से उठाए गए अन्य उपायों के प्रभाव को लकर भी चिंता व्यक्त की गई थी। कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (केडीआई) ने अपने नवीनतम अनुमान में कहा कि 2025 में दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था 1.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह नवंबर में घोषित उसके पिछले अनुमान से 0.4 प्रतिशत कम है। दक्षिण कोरियाई व्यापार मंत्रालय के अनुसार, दक्षिण कोरिया का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 2024 में 55.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया। अमेरिकी विनिर्माण आयात पर देश की शुल्क दर लगभग शून्य प्रतिशत है।

ऊना के पैरा एथलीट सुनील कुमार ने पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

ऊना

ऊना जिले के अंब उपमंडल के ललियाड़ संतु गांव के पैरा एथलीट सुनील कुमार ने 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 17 से 20 फरवरी तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न स्पर्धाओं में देशभर के बेहतरीन पैरा एथलीटों ने हिस्सा लिया।

सुनील कुमार की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, युवा मामले एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा तथा ऊना जिला प्रशासन ने उन्हें बधाई दी है।

प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और होनहार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सुनील कुमार की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'चेन्नई में आयोजित 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में ऊना जिला के अंब उपमंडल के होनहार पैरा एथलीट सुनील कुमार ने जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

यह प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। मैं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उनके उज्वल भविष्य की कामना करता हूं।'

गौरतलब है कि 24 वर्षीय सुनील कुमार बचपन से ही खेलों के प्रति जुनूनी रहे हैं। विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से यह सफलता हासिल की। उनके परिवार में पिता रामपाल, माता सुमन देवी और एक भाई हैं। सभी परिवारजन और क्षेत्रवासी उनकी इस उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मिलान-कॉर्टिना 2026 के आधिकारिक मोटो आईटीस योर वाइब का हुआ अनावरण

रोम। 2026 मिलान–कॉर्टिना शीतकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों के लिए आधिकारिक मोटो आईटीस योर वाइब का अनावरण गुरुवार को मिलान में विश्व प्रसारक बैठक के दौरान किया गया। मिलान–कॉर्टिना 2026 आयोजकों के अनुसार, यह पहली बार है जब ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों के इतिहास में इतना गतिशील और उत्पादक आदर्श वाक्य चुना गया है। यह सिर्फ एक स्लोगन नहीं है, बल्कि इसे अलग–अलग कहानियों और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इस स्लोगन का उपयोग एथलीटों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करने या प्रतियोगिता के रोमांच को उजागर करने के लिए किया जा सकता है, जैसे यह प्रतिभा है – यह आपका वाइब है, यह रचनात्मकता है – यह आपका वाइब है, या यह ऊर्जा है – यह आपका वाइब है। स्लोगन में शब्द आपका यह दर्शाता है कि खेलों में हर कोई महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि यह शब्द इटली का प्रतीक है, जिससे मेजबान देश की पहचान नारे में शामिल होती है। मिलान–कॉर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक खेल 6 से 22 फरवरी तक और पैरालिंपिक खेल 6 से 15 मार्च तक आयोजित किए जाएंगे।चीन ने जापान को हराकर फीबा पुरुष एशिया कप में स्थान सुरक्षित किया शेन्ज़ेन, 21 फ़रवरी (हि.स.)। चीनी पुरुष बास्केटबॉल टीम ने गुरुवार शाम 2025 फीबा एशिया कप क्वालीफ़ायर के ग्रुप सी गेम में जापान पर 100–58 से जीत हासिल की, जिससे एशिया कप में उसकी जगह पक्की हो गई। चार क्वालीफ़ाइंग मैच जीतकर पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुके जापान ने इससे पहले फ़रवरी 2024 में चीन को 76–73 से हराया था। चीन ने शुरू से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें झू जुनलॉन्ग ने लेअप के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की। जबकि झाओ रुई और जू जी ने लगातार बास्केट जोड़े, जिससे चीन को 8–0 की बढ़त मिली। फ़ॉरवर्ड ज़ेंग फैनबो ने थ्री–पॉइंटर मारा जिससे चीन ने दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त को दोहरे अंकों तक बढ़ाया। जापान ने चीन की मज़बूत रक्षा के ख़िलाफ़ स्कोर करने के लिए संघर्ष किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में ही स्कोरिंग का सूखा खत्म हुआ। चीन ने आखिरी क्वार्टर में 31 अंक बनाए और 100–58 के साथ अपनी चौथी जीत दर्ज की।

चेल्सी फॉरवर्ड डेविड वाशिंगटन लोन पर वापस सैंटोस में हुए शामिल

साओ पाउलो। चेल्सी के फारवर्ड डेविड वाशिंगटन 10 महीने के ऋण पर अपने पूर्व क्लब सैंटोस में लौट

आए हैं। ब्राजीलियाई सेरी–ए टीम ने गुरुवार को उक्त जानकारी दी। सैंटोस ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि समझौते में सैंटोस के लिए 19 वर्षीय खिलाड़ी को ऋण की अवधि समाप्त होने पर स्थायी अनुबंध पर रखने का विकल्प शामिल है। अगस्त 2023 में दक्षिण अमेरिकी दिग्गजों से 20 मिलियन यूरो के हस्तांतरण के बाद से वाशिंगटन ने चेल्सी के लिए सिर्फ तीन बार प्रदर्शन किया है। लंदन क्लब के साथ अवसरों की कमी के बावजूद, वाशिंगटन इस महीने की शुरुआत में वेनेजुएला में दक्षिण अमेरिकी अंडर–20 चैंपियनशिप जीतने वाली ब्राजील टीम के एक प्रमुख सदस्य थे। वह इस साल नेमार, लुइसाओ, ज़ी इवाल्डो, लियोनार्डो गोडॉय, ज़ी राफेल, थासियानो, अल्वारो बैरियल, बेंजामिन रोलहेसर, टिकिन्हो सोरेस और गेब्रियल वेरोन के साथ सैंटोस के 11वें नए हस्ताक्षरकर्ता हैं।

विराट आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के अपने

पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी 22 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट अब आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। विराट ने इस मैच में 13 रन बनाते ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पोंटिंग सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पोंटिंग के 44.0 की औसत से 2336 रन हैं। वहीं विराट के 64.5 के औसत से 2346 रन हैं। पहले नंबर पर 52.28 के औसत से सचिन तेंदुलकर के 2719 रन हैं। इस मैच में विराट ने एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के 156 कैच के रिकार्ड की भी बराबर कर ली है। विराट ने साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। कोहली की कप्तान में ही भारतीय टीम 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतने में भी विफल रही।

एमएलसी ड्राफ्ट 2025 : अग्नि चोपड़ा बने एमआई न्यूयॉर्क के नंबर 1 पिक, जसदीप सिंह को सबसे बड़ी कीमत

नई दिल्ली

मशहूर बॉलीवुड निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के बेटे अग्नि चोपड़ा को मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के घरेलू खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में एमआई न्यूयॉर्क ने अपनी नंबर 1 पिक के रूप में चुना।

सलामी बल्लेबाज को 50,000 डॉलर की कीमत पर टीम में शामिल किया गया। उन्होंने 2023–24 रणजी ट्रॉफी सत्र में शानदार प्रदर्शन कर भारत में पहचान बनाई थी, जहां उन्होंने चार मैचों में चार शतक जड़े थे। इसके बाद 2024–25 सीजन में मिजोरम के लिए खेलते हुए उन्होंने 94.94 की औसत से 1804 रन बनाए।

चोपड़ा अमेरिकी नागरिकता के आधार पर घरेलू खिलाड़ी के रूप में ड्राफ्ट में योग्य हुए। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, उनका यूएसए जाने का फैसला बीसीसीआई की रणजी ट्रॉफी में विदेशी पासपोर्ट धारकों के खेलने पर रोक की नीति के कारण आया।

जसदीप सिंह को सबसे बड़ी कीमत, शुभम रंजने को भी मिला बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

हालांकि, ड्राफ्ट में सबसे महंगे खिलाड़ी 32 वर्षीय अमेरिकी तेज गेंदबाज जसदीप सिंह बने, जिन्हें सिएटल ऑर्कस ने 75,000 डॉलर में साइन किया। जसदीप के लिए यह ड्राफ्ट एक बड़ा मोड़ साबित हुआ, क्योंकि वह 2023 में एमआई न्यूयॉर्क के पूरक ड्राफ्ट में शामिल थे और 2024 में वाशिंगटन फ्रीडम के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर चुने गए थे। पिछले सीजन में उन्होंने दो मैच खेले थे और दोनों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

टेक्सास सुपर किंग्स ने भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शुभम रंजने को 75,000 डॉलर में खरीदकर बड़ा कदम उठाया। सिएटल ऑर्कस द्वारा रिलीज किए जाने के बाद रंजने ने अपनी पावर हिटिंग और सीम गेंदबाजी के दम पर ड्राफ्ट में ऊंची बोली हासिल की। सुपर किंग्स ने युवा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टीफन विग को भी 15,000 डॉलर में साइन किया।

अन्य बड़ी खरीदारी: सुजीत नायक, स्टीवन टेलर और शायन जहाँगीर पर भरोसा

सिएटल ऑर्कस ने 35 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज सुजीत नायक को 40,000 डॉलर में अपनी टीम में शामिल किया। नायक पहले मुंबई इंडियंस और दिल्ली डेयरडेविल्स का हिस्सा रह चुके हैं। टीम ने मौजूदा अमेरिकी खिलाड़ी स्टीवन टेलर (25,000 डॉलर) और शायन जहाँगीर (20,000 डॉलर) पर भी भरोसा जताया।

लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स और वाशिंगटन फ्रीडम ने भारी रिटेंशन के साथ ड्राफ्ट में प्रवेश किया। नाइट राइडर्स ने बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक गट्टेपल्ली (15,000 डॉलर) को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जबकि फ्रीडम ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अभिषेक पराडकर (10,000 डॉलर) को चुना।

राहुल जरीवाला और अन्य युवा खिलाड़ियों को मिला मौका

बे एरिया के युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज राहुल जरीवाला, जिन्होंने 18 साल की उम्र में 2022 में यूएसए के लिए डेब्यू किया था, को सिएटल ऑर्कस ने रूकी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया। युवा लेग स्पिनर एडम खान और अकिलीज़ ब्राउन को क्रमशः सुपर किंग्स और यूनिकॉर्न्स ने साइन किया।

शेहान जयसूर्या और जॉन कैंपबेल हुए अनदेखे श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज शेहान जयसूर्या को ड्राफ्ट में कोई खरीदार नहीं मिला। इसी तरह, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल भी अनसोल्ड रहे, हालांकि वह जून में यूएसए के लिए खेलने के पात्र होंगे।

एमआई न्यूयॉर्क ने बल्लेबाजी को किया मजबूत

एमआई न्यूयॉर्क ने अग्नि चोपड़ा के अलावा तजिंदर सिंह ढिल्लों (50,000 डॉलर) और शरद लुंबा (15,000 डॉलर) को भी अपने स्क्वॉड में शामिल किया। ये दोनों खिलाड़ी 2018 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा, फ्रैंचाइज़ी ने कुंवरजीत सिंह (20,000 डॉलर) को भी अपनी टीम में लिया, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।

एमएलसी 2025 का यह ड्राफ्ट युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए नए अवसर लेकर आया, जिसमें जसदीप सिंह, अग्नि चोपड़ा और शुभम रंजने जैसी प्रतिभाओं ने सुर्खियां बटोरीं। अब सभी की नजरें लीग के आगामी सीजन पर टिकी होंगी।

चीन ने जापान को हराकर फीबा पुरुष एशिया कप में स्थान सुरक्षित किया

शेन्ज़ेन

चीनी पुरुष बास्केटबॉल टीम ने गुरुवार शाम 2025 फीबा एशिया कप क्वालीफ़ायर के ग्रुप सी गेम में जापान पर 100-58 से जीत हासिल की, जिससे एशिया कप में उसकी जगह पक्की हो गई।

चार क्वालीफ़ाइंग मैच जीतकर पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुके जापान ने इससे पहले फ़रवरी 2024 में चीन को 76–73 से हराया था।

चीन ने शुरू से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा, जिसमें झू जुनलॉन्ग ने लेअप के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की। जबकि झाओ रुई और जू जी ने लगातार बास्केट जोड़े, जिससे चीन को 8–0 की बढ़त मिली।

फ़ॉरवर्ड ज़ेंग फैनबो ने थ्री–पॉइंटर मारा जिससे चीन ने दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त को दोहरे अंकों तक बढ़ाया।

जापान ने चीन की मज़बूत रक्षा के ख़िलाफ़ स्कोर करने के लिए संघर्ष किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में ही स्कोरिंग का सूखा खत्म हुआ। चीन ने आखिरी क्वार्टर में 31 अंक बनाए और 100–58 के साथ अपनी चौथी जीत दर्ज की।

चीन के हू जिनकिउ और जापान के रयूसेई सासाकी दोनों ने खेल में सर्वाधिक 17 अंक बनाए, जबकि झाओ ने मेजबान के लिए 16 अंक बनाए।

चीन के मुख्य कोच गुओ शिकियांग ने कहा, दोनों टीमों ने प्रशंसकों को रोमांचक खेल दिखाया। हमारा ध्यान, रक्षात्मक रणनीति और तेज़ ब्रेक बिल्कुल सही थे।

इससे पहले गुरुवार को मंगोलिया ने गुआम को 74–63 से हराकर ग्रुप सी में अपनी पहली क्वालीफाइंग जीत दर्ज की।

शेड्यूल के अनुसार, चीन रविवार को तीसरे विंडो के दूसरे गेम में गुआम का सामना करेगा, जबकि जापान मंगोलिया से भिड़ेगा। 2025 फीबा एशिया कप 5 से 17 अगस्त तक सऊदी अरब के जेद्दा में होगा।

अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोरों पर

सियोल में आईएसयू फिगर स्केटिंग चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई रेन जुनफेई और जिंग जियानिंग की चीनी जोड़ी।

बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट लेने के बाद शमी ने कहा–वापसी करना हमेशा मुश्किल होता है

दुबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट लेकर मैच जीताने वाला प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक साल से अधिक समय के बाद अंतरराष्ट्रीय सेट-अप में अपनी वापसी पर खुलकर बात की।

इंग्लैंड के खिलाफ कुछ सीमित ओवरों के मैचों के बाद, शमी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के पहले मैच में दिखाई दिए, उन्होंने मैच में 53 रन देकर 5 विकेट लिए और 200 वनडे विकेट पूरे किए। यह वापसी रणजी, सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट में बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत के बाद हुई।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, शमी ने कहा, जब आप वापसी करते हैं तो यह बहुत मुश्किल होता है कि आप सब कुछ नए सिरे से शुरू करते हैं। यह 14 महीने का ब्रेक था और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास वापसी करने के लिए घरेलू मैच थे। उन्होंने कहा, ये 14 महीने बहुत कठिन थे क्योंकि आपको पूरी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और यह आसान नहीं होता। करीबी मैचों में घर पर बैठकर आप अपनी टीम के साथ नहीं रह पाते और ऐसा महसूस करते हैं कि काश मैं भी योगदान दे पाता।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश का शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया और उसके 5 विकेट केवल 35 रन पर ही गिर गए, लेकिन तौहीद हृदय (117 गेंदों में 100 रन, छह चौकों और दो छक्कों की मदद से) और जैकर अली (114 गेंदों में 68 रन, चार चौकों की मदद से) के बीच 154 रनों की साझेदारी ने उन्हें 228/10 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

रन चेज में भारत ने कप्तान रोहित (36 गेंदों में 41 रन, सात चौकों की मदद से) की अगुआई में 69 रनों की शानदार ओपनिंग साझेदारी की। भारत 144/4 पर पहुंच गया और वहां से शुभमन गिल (129 गेंदों में 101* रन, नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से) और केएल राहुल (47 गेंदों में 41* रन, एक चौका और दो छक्के की मदद से) ने भारत को मैच जीता दिया। गिल ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

उपकप्तान शुभमन गिल बोले हमें बाहर से मिल रहे थे निर्देश

दुबई

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले उपकप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि उन्हें अंत तक बल्लेबाजी करने के संदेश मिले थे। शुभमन ने इस मैच में धीमी बल्लेबाजी करते हुए 129 गेंदों पर 9 चौके और दो छक्के लगाकर 101 रन बनाये। धीमी बल्लेबाजी का कारण शुभमन ने ड्रेसिंग रुम से मिल रहे उस संदेश को कारण बताया जिससे उन्हें टिककर अंत तक खेलने को कहा गया था। शुभमन की इस बात से साफ है कि कोच गौतम गंभीर ने मैच पर नियंत्रण बनाये रखा हुआ था। भारतीय टीम ने शुभमन की शानदार बल्लेबाजी और शमी के पांच विकेटों की सहायता से आसानी से मैच जीत लिया।

शुभमन अपनी बल्लेबाजी से खुश दिखे और कहा, ''यह निश्चित रूप से मेरे सबसे अच्छे शतकों में से एक था। आईसीसी टूर्नामेंट में यह मेरा पहला शतक है जिससे मैं काफी उत्साहित हूं। पिच आसान नहीं थी। शुरुआत में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी पर हमें मैदान के बाहर से निर्देश मिल रहे थे और उसी के अनुसार मैंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ क्रीज का इस्तेमाल करते हुए स्ट्रोक्स खेले जिससे काफी लाभ हुआ।

कप्तान रोहित ने मैच जीतने के बाद कहा, '' आपको हर मैच से पहले आत्मविश्वास से भरा रहना होगा। मैच के दौरान हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना पड़ता है। कप्तान के तौर पर मुझे लगता है कि हमने हालातों के अनुसार अपने को ढ़ाल जिसके कारण ही हमें सफलत मिली। साथ ही कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में दबाव तो रहता ही है जिसका सामना करना आपको आना चाहिये।''

वहीं दूसरी ओर हार से निराश बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने कहा, ''हमारी शुरुआत खराब रही थी पर इसके बाद तोहिद हृदय और जाकिर अली ने अच्छी साझेदारी कर हमें मैच में बनाये रखा।

23वें राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तमिलनाडु का जलवा, 17 स्वर्ण सहित कुल 47 पदक जीते

23RD NATIONAL PARA ATHLETICS CHAMPIONSHIP
Chennai 2025
National Para Athletics Championship

चेन्नई। 23वें राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तमिलनाडु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 47 पदक अपने नाम किए। इसमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 12 कांस्य पदक हैं। पदक तालिका में तमिलनाडु दूसरे स्थान पर रहा। यह चैंपियनशिप तमिलनाडु के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के 1,476 पैरा–एथलीटों ने भाग लिया और 155 इवेंट्स में प्रतिस्पर्धा की। तमिलनाडु के खेल प्रदर्शन के अनुसार, जीवा मुथुराज ने पुरुषों की 100 मीटर टी38 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रकार शील अब्दुल काद के.एम. ने पुरुषों की 100 मीटर टी45/टी46/टी47 स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया और राजेश कुमार ने पुरुषों की 100 मीटर टी62/टी64 स्पर्धा में कांस्य पदक तक तक पहुंचने में सफल रहे। 23वीं राष्ट्रीय पैरालंपिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप के कुल परिणाम के अनुसार, हरियाणा ने कुल 106 पदक जीतकर चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 49 स्वर्ण, 32 रजत और 25 कांस्य पदक शामिल हैं। उत्तर प्रदेश ने 14 स्वर्ण, 17 रजत और 11 कांस्य पदक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। राजस्थान ने 13 स्वर्ण, 22 रजत और 26 कांस्य पदक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। जबकि महाराष्ट्र ने 11 स्वर्ण, 3 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ पांचवां स्थान प्राप्त करने में सफल हो पाया।

पॉपुलर होगा एथलीस्योर स्टाइल

किसका मन नहीं करता कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ ऐसा पहनें जिसमें स्टाइल भी हो और कंफर्ट भी। पर ये सोचना जितना आसान हैं, अपने कपड़ों को स्टाइल के साथ पहनना उतना ही मुश्किल और किसी तरह नए-नए स्टाइल अपना भी लें तो उन स्टाइलिश कपड़ों की देखरेख काफी भारी पड़ती है। लेकिन अब यह मुश्किल आसान करने के लिए एक खास प्रोडक्ट आ चुका है। यह है पीएंडजी का प्रोडक्ट एरियल। एरियल ने इंटरनेशनल डिजाइनर के साथ मिलकर एथेलीस्योर यानी की एथलेटीक और लेजर स्टाइल के कपड़े निकाले हैं। अब आप सोच रहे होंगे की यह नया नाम क्या है? आपको बता देते हैं एथेलीस्योर फैशन इंडस्ट्री में लेटेस्ट ट्रेंड हैं। इसमें स्पोर्ट्स वियर और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कपड़ों के स्टाइल को मिलाकर एक नया क्लोदिंग रेंज तैयार किया जाता है। मशहूर ब्रिटिश फैशन डिजाइनर जाइल्स डीकन के इस रेंज को बाजार में उतारने से पहले पी एंड जी ने लोगों की पसंद के मुताबिक पहने जाने वाले कपड़ों पर एक सर्वे किया। सर्वे के मुताबिक 71 प्रतिशत लोग ऐक्टिविटीज इंस्पायर्ड कपड़े पहनना पसंद करते हैं। 27 प्रतिशत लोगों का मानना है कि लेगिंग्स उनको काफी आरामदायक लगती है। 56 प्रतिशत लोग यात्रा के दौरान पहने जाने वाले लोग कपड़ों की खास रेंज चाहते हैं। इस सर्वे के नतीजों को ध्यान में रखकर ही इंटरनेशनल डिजाइनर जाइलज डीकन ने एथेलीस्योर की पूरी क्लोदिंग रेंज तैयार की है। फैशन एक्सपर्ट्स की मानें तो एथेलीस्योर स्टाइल 2020 में सबसे ज्यादा पॉपुलर हो जाएगा। योगा पैंट्स, इंडियन और वेस्टर्न कपड़ों के साथ पहने जाने वाली लेगिंग्स और जग्गिंग्स इन्ही कपड़ों के उदाहण हैं।

गणित के हिसाब से शादी की उम्र...

शादी जिंदगी भर का बंधन है और इसका फैसला सोच-समझकर करना चाहिए। शादी की सही उम्र वही होती है, जब आप इसके लिए पूरी तरह से तैयार हों, लेकिन गणित इस बारे में कुछ और कहता है। गणित कहता है शादी की सही उम्र 28 ओर 32 के बीच है। इस उम्र में तलाक की आशंका सबसे कम होती है। इस उम्र तक आते-आते आप मानसिक, शारीरिक और सामजिक रूप से मजबूत हो चूके होते हैं और यही क्वॉलिटी आपको अच्छा जीवनसाथी बनाती हैं। उटाह यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक जो लोग 28 और 32 के बीच शादी करते हैं वह अपनी शादी सफलता के साथ निभाते हैं। यह एक नया परिवर्तन है।

आमतौर पर माना जाता रहा है कि देर से शादी करना, शादी को निभाने काबिल बनाता है। यह अध्ययन लोगों के मानसिक बदलाव को दर्शाता है। टीन ऐज में शादी करने से अधिकतर लोगों की पसंद-नपसंद में बदलाव आता है, जिसकी वजह से तलाक होते हैं। बढ़ती उम्र यानी 28, 30 और 40 से पहले कि उम्र में व्यक्ति शांत और स्थिर हो जाता है और यही उसे अच्छा जीवनसाथी बनाने में सहायक होते हैं। यह शोध दी जनरल प्रो-मैरिज इंस्टीट्यूट आफ फैमिली स्टडीज द्वारा प्रकाशित किया गया है।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

खतरनाक है डॉक्टर गूगल...

कई लोग सर्च इंजन गूगल को डॉक्टर समझकर उस पर छोटी-मोटी बीमारी के लिए दवाएं सर्च करने लग जाते हैं। यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि हो सकता है जिस बीमारी के लक्षणों के चलते आप गूगल पर उसका इलाज खोज रहें हैं वे लक्षण किसी और बिमारी के हों। ऐसे में अगर कोई बिना डॉक्टर की सलाह के गूगल पर अपनी बीमारी के लक्षण के अनुसार दवाई लेना शुरू कर देगा तो यह स्वास्थ के लिए घातक हो सकता है। एक और खतरा सामने आया है वह यह कि एशिया में 90 फीसदी डॉक्टर्स भी गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

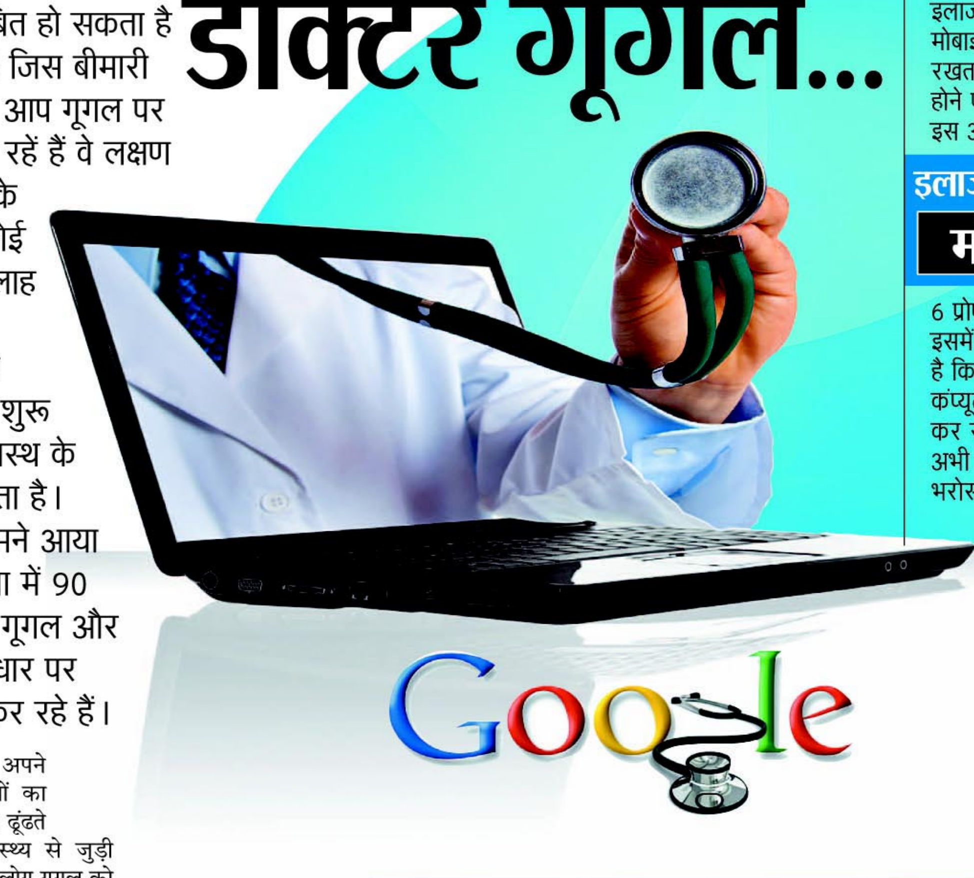

वर्तमान दौर में लोग अपने जीवन से जुड़े हर सवालों का जवाब सर्च इंजन गूगल पर ढूंढते हैं, लेकिन जहां तक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियों की बात है, तो लोग गूगल को अपना चिकित्सक मानकर मुफ्त में मुसीबत मोल लेते हैं। हालात यह है कि शरीर में एक छोटी सी फुंसी को वे कैंसर और सिरदर्द को ब्रेन ट्यूमर समझकर मानसिक अवसाद तक के शिकार हो जाते हैं।

शरीर में किसी प्रकार की समस्या होने पर गूगल पर उसके बारे में टोह लेने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन इसके बाद लोगों को यह पता नहीं होता कि उन्हें कहां पर रुकना है। सही तरीका तो यही है कि जब चिकित्सक किसी को किसी बीमारी की पुष्टि कर दे, तब सर्च इंजन पर जाकर उससे संबंधित जानकारियां जुटाना फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन चिकित्सक के पास जाने के बजाय लक्षणों के आधार पर अपना इलाज खुद करना खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं में है चलन

सबसे बड़ी समस्या यह है कि इंटरनेट पर अथाह सूचनाएं मौजूद हैं, जो सही भी हो सकती हैं, लेकिन जब हमारी बीमारी का लक्षण किसी दूसरी बीमारी के लक्षणों से मेल खाता है, तब भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसीलिए बीमारी की सही जांच बेहद जरूरी है। कई युवा ऐसे हैं जो अपनी छोटी से छोटी शारीरिक समस्या के समाधान के लिए इंटरनेट से चिपके रहते हैं। 25-40 वर्ष आयु वर्ग के लोग लक्षणों के आधार पर इंटरनेट पर बीमारी का पता लगाने के चक्कर में पड़ रहते हैं, जिसका कोई परिणाम नहीं निकलता, सिवाय वे चिंतित होकर अपने स्वास्थ्य को और बिगाड़ते हैं।

मुफ्त में परेशानी

लोगों को इस बात से सावधान होना चाहिए कि वे ऐसा कर मुफ्त में परेशानी मोल लेते हैं।

छोटी से छोटी बीमारी के लक्षणों को भयंकर बीमारी मानकर वे मानसिक अवसाद की स्थिति में चले जाते हैं, क्योंकि विभिन्न रोगों के लक्षणों में अक्सर समानता होती है। डॉक्टरों के मुताबिक गूगल को चिकित्सक मानने के जाल से लोगों को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि इससे कुछ अच्छा होने के बदले आपका बड़ा नुकसान हो सकता है।

इस अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ है कि तीन में एक डॉक्टर इलाज के दौरान अपने हाथ में मोबाइल फोन अथवा टैबलेट रखता है तथा कोई भी समस्या होने पर इलाज सर्च कर लेते हैं। इस अध्ययन में सामने आया है

इलाज के दौरान मोबाइल

कि एक डॉक्टर एक दिन में कम से कम 6 प्रोफेशनल सर्च करता है। इसमें चौंकाने वाली बात यह भी है कि 58 फीसदी फिजिशंस कंप्यूटर पर नेट सर्च कर इलाज कर रहे हैं। वहीं 14 फीसदी अभी भी प्रकाशित माध्यम पर भरोसा कर रहे हैं।

डॉक्टर भी गिरफ्त में

भले ही यह बात चौंकाने वाली लगे लेकिन सच है, कि एशिया में 90 फीसदी से अधिक डॉक्टर्स गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एशियाभर में हुए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। हालांकि इसें डिजिटल क्रांति कहें या मेडिकल क्षेत्र की बेबसी, लेकिन रेफरेंस ड्यूरिंग ट्रीटमेंट एंड सर्जरी के तहत किए गए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। स्टडी में यह बात सामने आई है कि डॉक्टर्स इलाज के दौरान गूगल और इंटरनेट बीमारी का उपाय खोजते हैं।

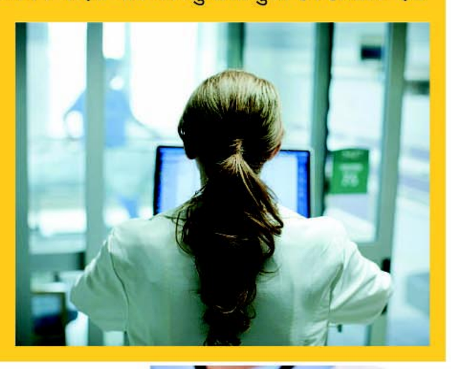

ब्यूटी स्पॉट को लेकर सावधान...

चेहरे या शरीर के किसी अन्य हिस्से पर दिखने वाले तिल या मस्से हमेशा ब्यूटी स्पॉट नहीं होते। अगर 20 की उम्र के बाद ऐसे तिल या मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में निकलते हैं तो उनके प्रति सचेत रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि वो खतरे की घंटी हो सकते हैं। इस समस्या के बारे में जानना बेहद जरूरी है। फिल्म अभिनेत्री रेखा के होठों के ऊपर का तिल और रति अग्निहोत्री के चेहरे का तिल अनायास ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह सच है कि चेहरे के किसी विशिष्ट स्थान का ब्यूटी स्पॉट आकर्षण का केंद्र होता है, लेकिन अगर आपके चेहरे पर अचानक से ही कोई तिल निकल आये तो आपको खुश नहीं होना चाहिए, बल्कि सावधान हो जाना चाहिए।

कब मिले डॉक्टर से

कई बार अचानक ही चेहरे पर तिल और मस्सा निकलने लगता है। अगर जन्म के समय से ही आपके चेहरे पर मस्सा या तिल है तो वह हानिकारक नहीं होता, लेकिन अचानक से ही चेहरे पर बहुत ज्यादा तिल निकलने लगे तो यह खतरे की निशानी हो सकते हैं। जैसे ही आपके चेहरे पर तिल या मस्सा निकले तो आप उसका निरीक्षण करें। अगर उसमें बदलाव होने लगे तो फिर तुरंत ही त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। इस बात का पता चल जाने पर कि आपके चेहरे पर निकला ब्यूटी मार्क हानिकारक है, उसे निकाल कर शरीर के दूसरे हिस्सों में होने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है।

निगरानी जरूरी

अधिकतर ब्यूटी स्पॉट 20 साल तक की उम्र में निकल जाते हैं, जो आमतौर पर हानिकारक नहीं होते, लेकिन अगर 20 साल के बाद अचानक से ही आपके चेहरे पर ब्यूटी स्पॉट यानी तिल या मस्सा निकले तो उसकी निगरानी जरूरी है। यह जरूरी नहीं कि आपके शरीर पर ब्यूटी स्पॉट खतरे की निशानी ही हो, लेकिन डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

कैंसर का कारण तो नहीं

तिल या मस्से को कई बार लोग बिना किसी चेकअप के लेजर तकनीक से हटवा लेते हैं, जो गलत है। तिल या मस्से को हटवाने से पहले जांच करवा लेनी चाहिए, ताकि पता चल सके कि वह कैंसर का कारण तो नहीं। जब चेहरे पर कोई तिल या मस्सा निकलता है तो छोटे आकार में हल्के भूरे रंग का होता है, लेकिन समय के साथ यह अलग आकार और रंग में बदल सकता है। यह बदलाव ब्यूटी स्पॉट के रूपरंग पर निर्भर करता है। जो मोल्स जन्म के समय से ही शरीर पर होते हैं, उन्हें कंजेनिटल मोल्स के तौर पर जाना जाता है। एक प्रतिशत लोग ही ऐसे होते हैं, जिनके शरीर पर जन्म के समय कोई तिल या मस्सा होता है। आगे चल कर यह त्वचा संबंधी समस्या का कारण बन सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है।

धूप से बचाव जरूरी

जब चेहरे पर एक साथ बहुत सारे तिल या मस्से निकल आएं तो इसे एक्वायर्ड मोल्स के नाम से जाना जाता है। यह बहुत ज्यादा धूप में रहने की वजह से भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए धूप से बचाव जरूरी है। ये खतरनाक नहीं होते। कई बार चेहरे पर असामान्य आकार के स्पॉट नजर आने लगते हैं, जो या तो गहरे भूरे रंग के होते हैं या फिर लाल रंग के। इनका आकार बढ़ता जाता है। अगर आपके चेहरे पर इस तरह के निशान नजर आएं तो डॉक्टर से संपर्क करें।

ये पाबंदियां दिलचस्प हैं...

देश बड़ा हो या छोटा, हर किसी के अपने ही कायदे-कानून है। इन कानूनों को तोड़ने पर सजा का प्रावधान भी है।

कई देशों ऐसे भी हैं जहां कुछ चीजों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है जो सच में हैरान करने वाली हैं। केवल हमारे ही देश में नहीं बल्कि दुनियाभर में तरह तरह की चीजों पर पाबंदियां हैं। आज हम आपको ऐसी बैन की हुई चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माथे पर त्यौरी चढ़ाना

इटली के महानगर मिलान में माथे पर त्यौरी चढ़ाने पर सख्त मनाई है। यहां चेहरे पर हर समय स्माइल होना बहुत ही जरूरी है। केवल अस्पताल और शोक सभा में ऐसा न करने की छूट है। इस नियम को तोड़ने पर जुर्माना लग सकता है।

समोसे पर रोक

सोमालिया में जाकर आप टेस्टी समोसा नहीं खा सकते। यहां पर ट्रैंगल शेप के इस टेस्टी समोसे पर रोक इसलिए क्योंकि इसकी आकृति ईसाइयों के पवित्र ट्रिनिटी जैसी है। इसे पकाने, खाने, खरीदने पर सजा हो सकती है।

जॉगिंग पर पाबंदी

बुरुंडी के राष्ट्रपति ने 2014 को जॉगिंग करने पर यह कह कर रोक लगा दी कि समाज विरोधी गतिविधियां छिपाने के लिए लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तक कि समूह में जॉगिंग करने वाले कई सदस्यों को जेल में भी डाल दिया गया है।

स्पाइकी हेयरकट करने पर रोक

ईरान में बाल खड़े करने पर रोक है। ईरानी युवक इन दिनों लोकप्रिय स्पाइकी हेयर कट यानी की बालों को खड़े करने वाले हेयरस्टाइल के अलावा पोनीटेल और टैटू भी नहीं बनवा सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसे हेयरस्टाइल शैतान की पूजा और समलैंगिक व्यवहार को प्रदर्शित करता है।

वीडियो गेम पर पाबंदी

ग्रीस में वर्ष 2002 में सरकार ने गैर कानूनी रूप से जुआ खेलने वालों पर काबू पाने के लिए इलैक्ट्रॉनिक और सॉफ्टवेयर की मदद से खेली जाने वाली गेम पर पाबंदी लगा दी थी, जिसके तहत वीडियो गेम खेलना अवैध है।

फ्लश पर पाबंदी

स्विजरलैंड में किसी भी अपार्टमैंट बिल्डिंग में रात के 10 बजे के बाद टॉयलेट फ्लश करना मना है। वहां की सरकार इसे ध्वनि प्रदूषण मानती है। वैसे यह रोक सच में हैरान करने वाली है।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये

स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**